आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 259 | उज्जैन, शुक्रवार 08 अगस्त 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

भाई-बहन के अमिट रिश्ते का प्रतीक है रक्षाबंधन का पवित्र त्यौहार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने दिया लाड़ली बहनों को रक्षाबंधन का शगुन राज्य सरकार बहनों के कल्याण के लिए निरंतर है सक्रिय

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि रक्षाबंधन केवल एक पर्व नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति में भाई-बहन के अमिट रिश्ते का प्रतीक है, जो सामाजिक एकता और पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करता है। रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का पर्व नहीं, बल्कि नारी गरिमा और सामाजिक सुरक्षा का भी संदेश है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति की विशेषता है कि हर रिश्ता परिभाषित और पूज्यनीय होता है। उन्होंने द्रौपदी और श्रीकृष्ण की रक्षाबंधन कथा का उल्लेख करते हुए इसे भाई-बहन के रिश्ते की शक्ति का प्रतीक बताया, जहाँ श्रीकृष्ण ने जीवनभर द्रौपदी की रक्षा का संकल्प निभाया। मुख्यमंत्री

डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार बहनों के कल्याण और सशक्तिकरण के लिये निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को राजगढ़ जिले के नरसिंहगढ़ में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के राज्य-स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश की 1 करोड़ 26 लाख 89 हजार लाड़ली बहनों के खातों में 1,859 करोड़ रुपए अंतरित किये। साथ ही उज्जवला योजना के अंतर्गत 28 लाख से अधिक बहनों को 43.90 करोड़ सहायता राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न योजनाओं के हितलाभ वितरण भी किये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और कन्या-पूजन कर किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हजारों साल से भारतीय कुटुम्ब परंपरा में सभी रिश्तों का महत्व है। भांजी का विवाह करना, बेटी का विवाह करने से बढ़कर माना गया है। भारतीय संस्कृति में भांजे-भांजियों को अपने बच्चों से बढ़कर माना जाता है।

महाराष्ट्र के परभणी में हिट एंड रन का मामला, मॉर्निंग वॉक पर निकली दो महिलाओं को कुचलकर भागा वाहन चालक

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के परभणी में हिट एंड रन का मामला सामने आया है, यहां मॉर्निंग वॉक के लिए निकली दो महिलाओं को अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। जिसमें दोनों की मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 5:30 बजे गंगाखेड़-परभणी राजमार्ग पर हुआ, जब दोनों महिलाएं सुबह की सैर पर निकली, इसी दौरान एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी दोनों महिलाएं सड़क से दूर जा गिरीं।

मॉर्निंग वॉक के लिए दो महिलाओं को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर- दोनों महिलाएं दैथाना गांव की रहने वाली थीं और दैथाना गांव से डेढ़ किलोमीटर दूर एक सड़क पर मॉर्निंग वॉक कर रही थीं, इसी दौरान अज्ञात वाहन की टक्कर में दोनों घायल हो गईं।

टक्कर लगने से दोनों महिलाओं की मौत- हादसे के बाद दोनों महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान पुष्पाबाई कचवे (69) और अंजनाबाई शिसोडे (55) के रूप में हुई है।

गढ़चिरौली में भीषण हादसा, ट्रक की चपेट में आने से 4 नाबालिगों की मौत; 2 घायल

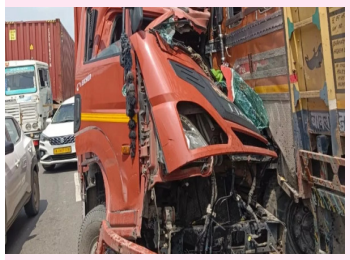

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है, यहां ट्रक की चपेट में आने से 4 नाबालिगों की मौत हो गई है वहीं दो जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे हैं। घटना आरमोरी-गढ़चिरौली हाईवे पर सुबह करीब 5 बजे की है।

पुलिस के मुताबिक, महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में ट्रक की चपेट में आने से 4 नाबालिग बच्चों की मौत हो वहीं दो गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

ट्रक की चपेट में आने से 4 नाबालिगों की मौत- एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जानकारी के मुताबिक, 12 से 16 साल की उम्र के 6 बच्चे जिला मुख्यालय से 12 किलोमीटर दूर कटली गांव में सड़क के किनारे बैठे हुए थे, तभी तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। इस टक्कर में चार बच्चों की मौत हो गई और दो घायल हो गए हैं।

सीएम फडणवीस ने हादसे पर जताया दुख- गढ़चिरौली हादसे पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दुख जताते हुए घटना को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया।

कौन बनेगा उपराष्ट्रपति? NDA ने इन दो नेताओं को सौंपी उम्मीदवार चुनने की जिम्मेदारी

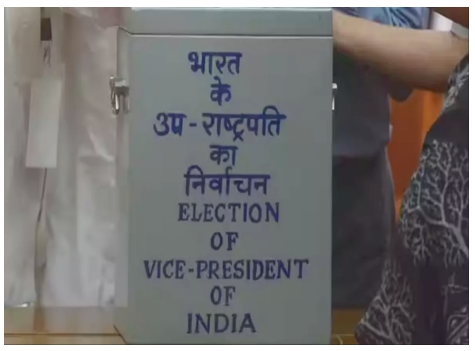

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा को सत्तारूढ़ गठबंधन का उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुनने का अधिकार दिया। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि यह सर्वसम्मति से लिया गया फैसला है।

संसद परिसर में भाजपा के प्रमुख नेताओं और उनके सहयोगियों की एक बैठक हुई, जिसमें यह फैसला लिया गया। बैठक में नड्डा के अलावा केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह और अमित शाह, जदयू के ललन सिंह, शिवसेना के श्रीकांत शिंदे, तेदेपा के लवू श्रीकृष्ण देवरायलु और लोजपा (रामविलास) के चिराग पासवान भी शामिल हुए। राजनाथ सिंह ने बैठक की अध्यक्षता की।

9 सितंबर को होगी वोटिंग- जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव हो रहा है। इस पद के लिए भारतीय निर्वाचन आयोग ने चुनाव के कार्यक्रम की अधिसूचना जारी कर दी है।

9 सितंबर को उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान होगा और मतगणना भी इसी दिन की जाएगी। मतदान 9 सितंबर को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। साथ ही आज से नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है और अंतिम तिथि 21 अगस्त 2025 तय की गई है।

चुनाव आयोग ने राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव अधिनियम-1952 की धारा 4 की उप-धारा (4) और (1) के तहत आज अधिसूचना जारी कर दी है।

डिप्टी सीएम शिवकुमार को महंगी पड़ी बाइक की सवारी, 18 हजार का चालान पेंडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार इन दिनों एक बाइक सवारी को लेकर घिरे हैं। बीजेपी लगातार डिप्टी सीएम पर निशाना साध रही है। बता दें कि हाल के दिनों में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार हेब्बल फ्लाईओवर लूप के निरीक्षण के लिए बाइक से पहुंचे। इस दौरान उन्होंने जिस दो पहिया वाहन का इस्तेमाल किया, उसपर 18,500 रुपये का यातायात उल्लंघन जुर्माना लंबित था। इस बात की जानकारी सामने आते ही बीजेपी ने राज्य के डिप्टी सीएम को घेरना शुरू कर दिया। हालांकि, अब खबर है कि दो पहिया वाहन के मालिक ने चालान की राशि को भर दिया है। जानिए क्या है पूरा मामला

दरअसल, बेंगलुरु ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि दो पहिया वाहन का मालिक 6 अगस्त को आरटी नगर यातायात पुलिस स्टेशन में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुआ और पूरी राशि का भुगतान किया।

जानकारी दें कि 5 अगस्त को निरीक्षण के दौरान डिप्टी सीएम शिवकुमार ने दोपहिया वाहन चलाया। जिस वाहन को सूबे उपमुख्यमंत्री ने चलाया उसपर यातायात उल्लंघन के 34 मामले लंबित थे। इसके साथ ही 18500 रुपये का चालान भी बाकी था।

गौरतलब है कि इन उल्लंघनों में बिना हेलमेट के वाहन चलाना, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल करना और प्रवेश निषेध या वन-वे ज़ोन में प्रवेश करना शामिल था। वहीं, निरीक्षण के दौरान गए डिप्टी सीएम ने बाइक की सवारी के साथ तस्वीर भी साझा की थी।

राजस्थान से मध्य प्रदेश तक लगे भूकंप के झटके, प्रतापगढ़ रहा केंद्र

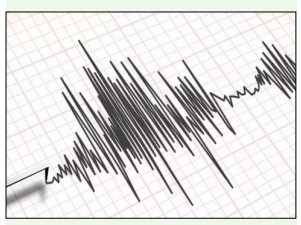

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले में गुरुवार सुबह भूकंप के झटके महसूस हुए। इसकी तीव्रता 3.9 रही। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने इस बात की जानकारी दी है। इस भूकंप का असर मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले के पिपलियामंडी व मल्हारगढ़ क्षेत्र में भी देखने को मिला।

बताया जा रहा है कि मंदसौर जिले के पिपलियामंडी व मल्हारगढ़ क्षेत्र में गुरुवार सुबह 10:07 बजे भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए है। भूकंप की तीव्रता 3.9 मैग्नीट्यूड बताई जा रही है। इसका

रूसी तेल पर ट्रंप के टैरिफ अटैक के बीच पुतिन जल्द आएंगे भारत, यूक्रेन युद्ध के बाद पहला दौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जल्द ही भारत की यात्रा पर आ सकते हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने गुरुवार को कहा कि पुतिन की यात्रा की तारीखें अभी तय नहीं हुई हैं। डोभाल अभी मॉस्को दौरे पर हैं। हालांकि, रूसी समाचार एजेंसी इंटरफैक्स की रिपोर्ट के अनुसार यह यात्रा इस साल अंत में हो सकती है। पुतिन का यह दौरा ट्रंप के भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ अटैक के बाद हो रही है। ट्रंप ने भारत पर रूसी तेल खरीदकर यूक्रेन युद्ध में रूस को फंडिंग का आरोप लगाया है।

रूसी मीडिया इंटरफैक्स ने पहले रिपोर्ट किया था कि पुतिन का दौरा अगस्त महीने के अंत तक हो सकता है, लेकिन बाद में बताया कि पुतिन साल के अंत तक भारत दौरा कर सकते हैं। दौरे की घोषणा ऐसे समय में हुई है जब भारत और अमेरिका के बीच रूस से व्यापारिक संबंधों को लेकर तनाव बढ़ा हुआ है। पुतिन का भारत दौरा यूक्रेन युद्ध (2022 से) शुरू होने के बाद पहली बार होगा।

इससे पहले बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया कार्यकारी आदेश जारी कर भारत से आने वाले आयात पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा की। इसके साथ ही भारतीय उत्पादों पर अमेरिका ने 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। ट्रंप के इस फैसले के पीछे भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद जारी रखना एक मुख्य कारण बताया जा रहा है।

अमेरिका ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर रूस ने यूक्रेन में चल रहे युद्ध को रोकने के लिए 8 अगस्त तक कोई कदम नहीं उठाया, तो रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर सेकेंडरी प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।

इस बीच क्रेमलिन ने पुष्टि की है कि राष्ट्रपति पुतिन की डोनाल्ड ट्रंप से जल्द मुलाकात होने वाली है। रूसी राष्ट्रपति के विदेश मामलों के सलाहकार यूरी उशाकोव ने कहा कि दोनों देशों के बीच बैठक को लेकर बातचीत जारी है और स्थल तय कर लिया गया है, जिसकी घोषणा जल्द की जाएगी।

मरीजों के मेडिकल रिकॉर्ड्स के पेपर पर बिक रहा था खाने का सामान...

नई दिल्ली (एजेंसी)। थाईलैंड के उबोन रत्चाथानी प्रांत में एक चौंकाने वाला वाकिया सामने आया है। एक निजी अस्पताल के 1,000 से ज्यादा गोपनीय मरीजों के रिकॉर्ड्स को गलत तरीके से ठिकाने लगाया गया।

ये संवेदनशील दस्तावेज, जिनमें मरीजों की निजी जानकारी और बीमारियों का ब्योरा था, स्ट्रीट फूड के रैपर के तौर पर इस्तेमाल हो रहे थे। इस लापरवाही ने पूरे देश में हंगामा मचा दिया है।

थाईलैंड की पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन कमेटी ने इस मामले में सख्त कदम उठाते हुए अस्पताल पर लगभग 37,000 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना ठोका है।

कमेटी ने डेटा गोपनीयता के नियमों को सख्ती से लागू करने की जरूरत पर भी जोर दिया। इस घटना ने निजी जानकारी की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सोशल मीडिया पर मचा बवाल- यह मामला तब सुर्खियों में आया जब एक सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर डॉक्टर लैब पांडा ने खुलासा किया कि स्थानीय खानम टोक्यो (क्रिस्पी क्रेप) के रैपर के तौर पर मेडिकल रिकॉर्ड्स का इस्तेमाल हो रहा था।

इन दस्तावेजों में मरीजों के नाम, निजी पहचान और बीमारी की जानकारी साफ दिख रही थी। एक दस्तावेज में तो यह भी जाहिर हुआ कि रैपर में लिपटा कागज एक हेपेटाइटिस बी से पीड़ित मरीज का था।

इन्फ्लूएंसर ने साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के हवाले से कहा, क्या मैं इसे खाना जारी रखूं या ये काफी है? इस पोस्ट ने सोशल मीडिया पर तूफान ला दिया। लोगों ने अस्पताल की इस लापरवाही की कड़े शब्दों में निंदा की और मरीजों की गोपनीयता के उल्लंघन पर गुस्सा जाहिर किया।अस्पताल की लापरवाही

बैंकॉक पोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अस्पताल ने सफाई दी कि उसने दस्तावेजों को नष्ट करने का जिम्मा एक छोटे कारोबारी को सौंपा था, लेकिन उसकी निगरानी में चूक हो गई। कारोबारी ने अपनी गलती कबूल की और बताया कि ये दस्तावेज उनके घर में रखे थे, जहां से ये लीक हो गए।

इस मामले ने अस्पताल की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए गए हैं। लोगों का कहना है कि ऐसी संवेदनशील जानकारी को नष्ट करने से पहले उसकी ठीक तरह से जांच होनी चाहिए थी। अस्पताल की इस गैर-जिम्मेदाराना हरकत ने मरीजों के भरोसे को तोड़ा है।

सोशल मीडिया पर लोगों ने अस्पताल के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया। एक यूजर ने कहा, मरीजों के निजी हक को और अहमियत दी जानी चाहिए। अस्पताल पर मुकदमा होना चाहिए और उसका लाइसेंस रद्द करना चाहिए।

सेमीकंडक्टर के आयात पर 100 प्रतिशत शुल्क लगेगा, भारत पर 50 फीसदी टैरिफ के बाद ट्रंप का एक और एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों अपने टैरिफ वाले फैसले को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने हाल में ही भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने का एलान किया है। इसके बाद भारत पर टैरिफ बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया है। अब एक नया एलान किया है।

दरअसल, बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह कंप्यूटर चिप्स और सेमी कंडक्टर के आयात पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने का फैसला लेने वाले हैं। माना जा रहा है कि ट्रंप के इस कदम के बाद अमेरिका में इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल घरेलू उपकड़ों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ने की संभावना है।

इन कंपनियों को ट्रंप देंगे छूट- हालांकि, इसके अलावा ट्रंप ने कहा कि वह उन कंपनियों को छूट देंगे, जो अमेरिका में ही सेमीकंडक्टर बनाती हैं। इसका मतलब है कि इन कंपनियों को सामान आयात करने पर शुल्क में राहत मिलेगी।

बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ओवल ऑफिस में एप्पल के सीईओ से टिम कुक से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम कंप्यूटर चिप्स और सेमीकंडक्टर पर करीब 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, जो कंपनियां अमेरिका में इसका उत्पादन करती हैं उन्हें इस शुल्क से राहत मिलेगी।

ट्रंप के इस फैसले से अमेरिकी उपभोक्ताओं पर क्या होगा असर- माना जा रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप के इस फैसले का सीधा असर अमेरिका में उपभोक्ताओं पर देखने को मिल सकता है। अगर डोनाल्ड ट्रंप कंप्यूटर चिप्स और सेमीकंडक्टर पर 100 प्रतिशत का भारी टैरिफ लगाते हैं, तो इसके कारण मोबाइल, कार समेत कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण महंगे हो जाएंगे।

पाक सेना को लगातार निशाना बना रहे बलूच विद्रोही

नई दिल्ली (एजेंसी)। बलूच विद्रोहियों ने मंगलवार रात आइईडी हमले में एक मेजर समेत तीन पाकिस्तानी सैनिकों की हत्या कर दी। तीन अन्य सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गए। बलूच लिबरेशन आर्मी ने हमले की जिम्मेदारी ली है।

हमले में मारे गए सैनिकों की हुई पहचान- घटना स्थानीय समयानुसार रात लगभग 8 बजे हुई। एक बुलेटप्रूफ सैन्य वाहन पर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से हमला किया गया। हमले में मारे गए सैनिकों की पहचान मेजर रिजवान, नायब सूबेदार अमीन और लांस नायक यूनिस के रूप में हुई है।

पाकिस्तानी सेना ने अभी नहीं दी कोई प्रतिक्रिया- बीएलए प्रवक्ता जीयंद बलूच ने कहा कि समूह ने इलाके में एक खुफिया जानकारी पर आधारित अभियान चलाया गया। मेजर रिजवान के काफिले को निशाना बनाने के लिए रिमोट कंट्रोल से नियंत्रित आइईडी का इस्तेमाल किया गया था। पाकिस्तानी सेना ने अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया जारी नहीं की है।

जुलाई के मध्य से अब तक कई हमले हुए- द बलूचिस्तान पोस्ट के अनुसार, जुलाई के मध्य से अलग-अलग घटनाओं में मेजर रैंक के चार सैन्य अधिकारी मारे गए हैं। वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को लगातार निशाना बनाना इस बात का संकेत है कि बलूच विद्रोही ने संचालनात्मक और खुफिया क्षमताएं बढ़ा ली हैं।

अभी टैरिफ लगे सिर्फ 8 घंटे हुए हैं, भारत के पलटवार पर ट्रंप का जवाब; बोले- अभी कई प्रतिबंध देखने को मिलेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी धमकी पर अमल करते हुए बुधवार को भारतीय वस्तुओं के अमेरिका में प्रवेश पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगा दिया। यह पूछे जाने पर कि, %भारतीय अधिकारियों ने कहा है कि चीन जैसे अन्य देश भी रूसी तेल खरीद रहे हैं। आप इन अतिरिक्त प्रतिबंधों के लिए भारत को ही क्यों जिम्मेदार ठहरा रहे हैं?

इस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अभी तो सिर्फ 8 घंटे ही हुए हैं। देखते हैं क्या होता है। आपको और भी बहुत कुछ देखने को मिलेगा... आपको कई अतिरिक्त प्रतिबंध देखने को मिलेंगे।

यह पूछे जाने पर कि, भारतीय दंडों के बारे में, क्या चीन पर और अधिक शुल्क लगाने की आपकी कोई योजना है?, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि हो सकता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि हम कैसे करते हैं। हो सकता है।

अमेरिका निर्यात होने वाली वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगेगा- भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत का शुल्क लगाने की घोषणा ट्रंप पहले ही कर चुके हैं जो सात अगस्त से प्रभावी हो जाएगा।

पुतिन ने मिलने के लिए भरी हामी तो खुशी से गदगद हुए ट्रंप, आमने-सामने की मीटिंग में यूक्रेन जंग खत्म करने पर होगी बात

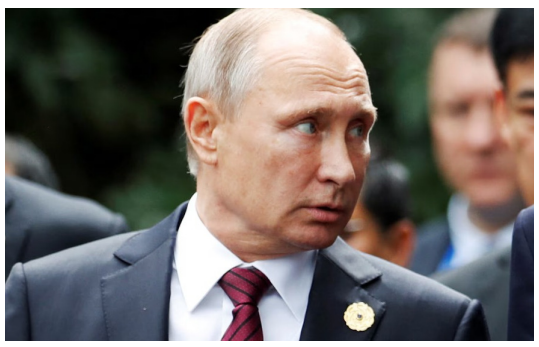

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बहुत जल्द मुलाकात कर सकते हैं। यह बयान मॉस्को में ट्रंप के खास दूत और पुतिन के बीच हुई बेहद कामयाब बातचीत के बाद आया है।

ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ भी फोन पर बात की। इस बातचीत में नाटो प्रमुख और ब्रिटेन, जर्मनी, फिनलैंड के नेता भी शामिल थे।

ट्रंप का कहना है कि यूक्रेन-रूस जंग को खत्म करने की राह पर बड़ा कदम उठाया जा सकता है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा, बहुत जल्द पुतिन और जेलेंस्की से मुलाकात का अच्छा मौका है।

हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि पुतिन के साथ उनकी मुलाकात कहां होगी। न्यूयॉर्क टाइम्स और सीएनएन के मुताबिक, ट्रंप अगले हफ्ते पुतिन से मिल सकते हैं और फिर पुतिन और जेलेंस्की के साथ बातचीत करना चाहते हैं।

क्या अब खत्म हो जाएगा रूस-यूक्रेन युद्ध- ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ ने मॉस्को में रूसी नेतृत्व से मुलाकात की, जिसे क्रेमलिन ने कामयाब बताया। ट्रंप ने रूस को चेतावनी दी है कि शुक्रवार तक शांति की दिशा में कदम न उठाए गए तो नई पाबंदियां लगेंगी। ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया साइट ट्रुथ सोशल पर लिखा, बड़ी तरक्की हुई है! उन्होंने कहा कि यूरोप के कुछ सहयोगियों को भी इसकी जानकारी दी गई और सब चाहते हैं कि यह जंग जल्द खत्म हो। लेकिन, एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने साफ किया कि दो दिन बाद दूसरी पाबंदियां लगने की उम्मीद है।

आयरलैंड में अब 6 साल की बच्ची पर हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयरलैंड में भारतीय मूल के लोगों पर नस्लभेदी हमले तेजी से बढ़ रहे हैं। इस बीच एक छह साल की मासूम बच्ची को क्रूरता का शिकार बनाया गया।

हमलावरों ने न सिर्फ उसे डर्टी इंडियन कहकर ताने मारे, बल्कि उसे वापस भारत जाओ कहते हुए हिंसक हमला किया। इतना ही नहीं हमलावरों ने बच्ची के निजी अंगो में भी चोट पहुंचाए। यह दिल दहला देने वाली घटना हर किसी को झकझोर रही है।

बच्ची की मां आठ साल से आयरलैंड में रह रही हैं और हाल ही में आयरिश नागरिक बनी हैं। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी पर 12 से 14 साल के लड़कों ने हमला किया। महिला पेशे से नर्स हैं।

उन्होंने द आयरिश मिरर को बताया कि हमलावरों ने उनकी बेटी को गालियां दीं। बच्ची ने अपनी मां को बताया कि पांच लड़कों ने उसके चेहरे पर मुक्के मारे और एक ने साइकिल के पहिए से उसके निजी अंगों पर चोट पहुंचाई, जिससे उसे भयानक दर्द हुआ।

हमें अब यहां सुरक्षित नहीं लगता- मां ने बताया कि हमलावरों ने बच्ची के चेहरे और गर्दन पर मुक्का मारा और उसके बाल खींचकर घसीटा। मां ने कहा, मेरी बेटी ने बताया कि वे एफ शब्द का इस्तेमाल कर रहे थे और उसे डर्टी इंडियन कहकर ताने मार रहे थे।

इस घटना ने पूरे परिवार को डरा दिया है। मां ने कहा कि वह अब आयरलैंड में सुरक्षित महसूस नहीं करतीं। उन्होंने ने इस घटना की शिकायत गार्डाई (आयरिश पुलिस) से की, लेकिन उनका कहना है कि वह उन लड़कों को सजा दिलाने के बजाय चाहती हैं कि उन्हें सही मार्गदर्शन और काउंसलिंग दी जाए, ताकि वे भविष्य में ऐसा न करें।

अमेरिका में उड़ान सेवा ठप! यूनाइटेड एयरलाइंस की 800 से ज्यादा फ्लाइट रद

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ दिनों में विमानों में खामियों की तमाम खबरें सामने आई हैं, जिसने यात्रियों को परेशान किया है। इसी बीच अमेरिका के यूनाइटेड एयरलाइंस से जुड़ी एक खबर सामने आई है। दरअसल, बुधवार देर रात तक यूनाइटेड एयरलाइंस की 800 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं और सैकड़ों उड़ानें विलंबित हो गईं। बताया जा रहा है कि एक बड़ी तकनीकी खराबी के कारण पूरे अमेरिका में उड़ाने ठप हो गईं। जिससे घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय यात्रा दोनों बुरी तरह से बाधित हो गईं।

हवाई अड्डों पर यात्री हुए परेशान- जानकारी के अनुसार, ह्यूस्टन के जॉर्ज बुश इंटरकॉन्टिनेंटल एयरपोर्ट पर एयरलाइल के यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। ज्ञात हो कि यहीं पर यूनाइटेड एयरलाइन एक मुख्य केंद्र संचालित करता है। एयरलाइन ने इस व्यवधान का कारण डिस्पैच और ईंधन भरने की प्रणालियों में खराबी बताया।

एयरलाइन ने जारी किया बयान- बता दें इस संबंध में एयरलाइन की ओर से एक बयान भी जारी किया गया। इसमें कहा गया कि तकनीकी समस्या के कारण, हम यूनाइटेड की मुख्य लाइन की उड़ानों को उनके प्रस्थान हवाई अड्डों पर रोक रहे हैं। इस समस्या के समाधान के लिए हम आज शाम को और उड़ानों में देरी की उम्मीद कर रहे हैं।

रशियन लड़की ने भारतीय दोस्त के साथ गाई कन्नड़ भाषा की कविता

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। इसमें एक रूसी बच्ची अपनी भारतीय दोस्त के साथ कन्नड़ भाषा की एक लोकप्रिय कविता गा रही है। इस वीडियो को रूसी बच्ची की मां ने सोशल मीडिया पर शेयर किया था। देखते ही देखते यह वायरल हो गया।

यह परिवार 2022 में रूस से भारत आया था। यहां रूसी बच्ची की दोस्ती एक स्थानीय बच्ची से हुई। रूसी बच्ची की मां ने सबसे पहले यह वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया था। इसमें दोनों बच्चियां साइकिल चला रही हैं और कन्नड़ भाषा की बच्चों की कविता बन्नादा हक्की गा रही हैं। हिंदी में इसका मतलब रंगीन पक्षी होता है।

2022 में भारत आया था रूसी परिवार- दोनों बच्चियां वीडियो में एक साथ सुर मिला रही हैं। इंस्टाग्राम पर 2022 की कुछ तस्वीरें भी शेयर की गई हैं, जिसमें उस वक्त की यादें हैं, जब परिवार भारत आया था। कैप्शन में लिखा है- भारत में 3 साल। दोस्त और सहपाठी.. दोस्ती के 3 साल। इस वीडियो को लोगों द्वारा खूब पसंद किया जा रहा है।

वीडियो को रेडिट पर जब दोबारा शेयर किया गया, तो लोगों ने इस पर खूब प्रतिक्रियाएं व्यक्त कीं। एक यूजर ने लिखा, बेंगलुरु में रहने वाली एक रूसी बच्ची अपनी भारतीय दोस्त के साथ कन्नड़ कविता गा रही है। यह देखना कितना अच्छा है। विदेशियों ने भी कन्नड़ सीखी है।

वहीं एक अन्य व्यक्ति ने कहा कि सरकार को स्कूलों में स्थानीय भाषा सीखना अनिवार्य कर देना चाहिए, जिससे दूसरी पीढ़ी के अप्रवासी भाषाएं सीख सकें। कुछ लोगों ने सरकारी नीतियों की आलोचना भी की और कहा कि कन्नड़ जैसी स्थानीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं किए जा रहे हैं।

राजस्थान में घरेलू विवाद ने लिया हिंसक रूप

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीकानेर में एक दंपत्ति के बीच हुई हाथापाई के बाद एक शख्स की मौत और उसकी पत्नी के घायल होने की खबर सामने आई है। यह घटना बुधवार रात कमला कॉलोनी में हुई, जब सन्नी (42) और उसकी पत्नी ममता (40) के बीच कहासुनी बढ़ गई।

चाकू से सन्नी ने किया वार- सन्नी गुस्से में आकर कथित तौर पर रसोई से चाकू लेकर ममता पर वार करने आया। पुलिस ने बताया कि उसके छोटे भाई जीतू ने बीच-बचाव किया और सन्नी को रोकने की कोशिश की।

भाई ने बीच बचाव किया - पुलिस ने आगे कहा, झड़प के दौरान सन्नी की गर्दन पर चाकू से चोटें आईं। ममता और जीतू भी घायल हुए हैं। तीनों को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां सन्नी को मृत घोषित कर दिया गया। ममता और जीतू का इलाज चल रहा है।

जीतू, जो पहले पार्ट-टाइम डिलीवरीमैन का काम करता था, अब कोई काम नहीं करता है।

इस बीच, पुलिस ने बताया कि पोस्टमॉर्टम के बाद आज शव उसके परिवार को सौंप दिया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

खेलते-खेलते खोली टोकरी, निकली जहर भरी मौत; मकड़ी के काटने से गई 7 साल के बच्चे की जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के तिनसुकिया जिले के पनितोला गांव में सात साल की एक मासूम बच्ची की जान एक काली मकड़ी के काटने से चली गई। बच्ची ने जब बांस की टोकरी खोली, जिसमें अंडे रखे थे, तब मकड़ी ने उसके हाथ पर काट लिया। देखते ही देखते उसका हाथ सूज गया और हालत बिगड़ने लगी।

परिजन उसे फौरन नजदीकी दवाखाने ले गए, मगर हालत न सुधरने पर उसे तिनसुकिया सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। अफसोस, अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस हादसे से पूरे गांव को गहरा सदमे पहुंचा है।

पुलिस जांच और फोरेंसिक तहकीकात शुरू- पुलिस ने इस मामले में गैर-प्राकृतिक मौत का केस दर्ज कर लिया है। मकड़ी की प्रजाति जानने के लिए फोरेंसिक जांच शुरू हो चुकी है।

इसके अलावा, उस जगह से नमूने भी इकट्ठा किए जा रहे हैं, जहां यह घटना हुई। पुलिस और विशेषज्ञ इस बात की तह तक जाने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर वह कौन सी मकड़ी थी, जिसने मासूम की जान ले ली।

अपने बच्चों की सलामती के लिए खौफ में पूरा गांव- स्थानीय लोगों में इस घटना के बाद दहशत फैल गई है। हर कोई अपने बच्चों की सलामती को लेकर चिंतित है। गांव वाले अब सतर्कता बरत रहे हैं और घरों में रखी चीजों को खोलने से पहले सावधानी बरत रहे हैं।

जजों को इतना जालिम भी नहीं होना चाहिए, कलकत्ता हाईकोर्ट ने मृत्युदंड पर सख्त टिप्पणी कर पलट दिया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट की जलपाईगुड़ी सर्किट पीठ ने अपने मामा की हत्या के जुर्म में एक व्यक्ति की मृत्युदंड की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया है। अदालत ने मामले में टिप्पणी करते हुए कहा कि समाज का विकास दंडशास्त्र के प्रति सुधारात्मक दृष्टिकोण से हुआ है, न कि प्रतिशोधात्मक दृष्टिकोण के लिए।

यह टिप्पणी जस्टिस सब्यसाची भट्टाचार्य ने की। उन्होंने कहा, दंड के तीन प्रमुख स्तंभ हैं- प्रतिशोध, निवारण और सुधार। निवारण की मान्यता आज भी बरकरार है, वहीं आधुनिक आपराधिक न्यायशास्त्र में भारत और अन्य देशों में प्रतिशोध ने दंड के सुधारात्मक पहलू को जन्म दिया है।

जेल भी अब सुधार गृह कहलाने लगे- दरअसल जलपाईगुड़ी सेशन कोर्ट ने आफताब आलम को धारा 396 के तहत अपराध का दोषी मानते हुए मृत्युदंड की सजा सुनाई थी। लेकिन हाईकोर्ट ने कहा कि यह अपराध रेयरेस्ट ऑफ द रेयर की श्रेणी में नहीं आता है। जस्टिस भट्टाचार्य ने कहा कि हाल के दिनों में जेलों को सुधार गृह कहा जाने लगा है, इसका एक कारण है।

उन्होंने कहा कि यह समाज की बदला लेने की रक्त-पिपासु प्रवृत्ति से अभियुक्तों को सुधारने की सभ्य नीति की ओर संक्रमण को दर्शाता है। इस सिद्धांत का आधार है कि अपराध से घृणा करनी चाहिए, अपराधी से नहीं। दुनिया में इस बात पर बहस चल रही है कि मृत्युदंड को सजा के रूप में बरकरार रखा जाए या नहीं।

अदालत ने इस बात की ओर ध्यान दिलाया कि यदि किसी व्यक्ति को मृत्युदंड के कारण फांसी दी जाती है, तो इससे होने वाली क्षति अपरिवर्तनीय होती है। बाद में जांच में कोई नया एंगल मिले या नए सबूत मिलें या फिर से जांच खोलने का औचित्य बने, तो ऐसी स्थिति में ली गई जान को वापस लाने की कोई संभावना नहीं होती, क्योंकि मृत्युदंड अपरिवर्तनीय है।

ट्रंप टैरिफ का विष कैसे बन सकता है भारत के लिए अमृत, आनंद महिंद्रा ने बताया पूरा गुणा-गणित

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति को भारत के लिए एक सुनहरा मौका बताया है।

उन्होंने कहा कि भारत को अब छोटे-मोटे सुधारों से आगे बढ़कर कारोबारी माहौल को आसान बनाना होगा, ताकि वैश्विक पूंजी के लिए भारत एक आकर्षक ठिकाना बन सके। ट्रंप की टैरिफ नीति के अनपेक्षित नतीजों को भारत अपने फायदे में बदल सकता है, बशर्ते वह सही कदम उठाए।

महिंद्रा ने बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि जैसे 1991 का विदेशी मुद्रा संकट भारत के लिए उदारीकरण का सबब बना, वैसे ही आज की वैश्विक टैरिफ जंग भारत के लिए अमृत ला सकती है।

अमेरिका ने भारत के रूसी तेल आयात को लेकर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाया, जिसे बाद में बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया। भारत ने इस कदम को अनुचित और अन्यायपूर्ण करार दिया, क्योंकि इससे टेक्सटाइल, समुद्री और चमड़ा निर्यात जैसे क्षेत्रों को भारी नुकसान होगा।

कारोबारी माहौल में क्रांति की जरूरत- महिंद्रा ने दो बड़े कदम सुझाए। पहला, भारत को कारोबारी माहौल को आसान बनाने के लिए क्रांतिकारी सुधार करने होंगे। एक ऐसी ÷सिंगल-विंडो क्लीयरेंस÷ व्यवस्था बनानी होगी, जो निवेश प्रस्तावों को तेजी से मंजूरी दे।

उन्होंने कहा कि भले ही कई नियम राज्यों के अधीन हों, लेकिन इच्छुक राज्यों के साथ मिलकर एक राष्ट्रीय मंच बनाया जा सकता है। अगर भारत तेजी, सरलता और भरोसेमंदी दिखाए, तो वैश्विक पूंजी के लिए यह सबसे मुफीद जगह बन सकता है।

दूसरा, महिंद्रा ने पर्यटन को विदेशी मुद्रा और रोजगार का बड़ा जरिया बताया।

उन्होंने कहा कि वीजा प्रक्रिया को तेज करना, पर्यटकों की सुविधा बढ़ाना और मौजूदा पर्यटक स्थलों के आसपास खास पर्यटन गलियारा बनाना जरूरी है।

कभी बस किराए के लिए नहीं थे 90 रुपये... अब ठुकरा दिया 107 करोड़ का ऑफर

नई दिल्ली (एजेंसी)। खान सर आज के समय किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। हजारों की संख्या में छात्र उनसे पढ़ते हैं। खान सर का पूरा नाम फैजल खान हैं। जो शुरू से ही सेना में जाना चाहते थे। उनके पिता एक सामान्य ठेकेदार थे और माता घर संभालती थीं।

खान का जन्म उत्तर प्रदेश के छोटे से कस्बे में हुआ, बचपन से ही वह काफी तेज थे। परिवार में पैसों की तंगी थी हालांकि उनके सपने काफी बड़े थे। बताया जाता है कि उन्होंने एनडीए, पॉलिटेक्निक और सैनिक स्कूल में प्रवेश के लिए परीक्षाएं। लेकिन वह असफल रहे। बावजूद इसके उन्होंने हार नहीं मानी और फिर जज्बे के साथ आगे बढ़े।

जब खान सर के पहले छात्र ने प्राप्त किया प्रथम स्थान- मनीकंट्रोल की एक रिपोर्ट के अनुसार, आगे चलकर खान सर ने बच्चों को ट्यूशन पढ़ाने का फैसला किया। इसके बाद उन्होंने एक छात्र को पढ़ाना शुरू किया। सबसे ज्यादा हैरानी उस समय हुई, जब उनके द्वारा पढ़ाए गए एक छात्र ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। धीरे-धीरे ये बात पूरे क्षेत्र में फैल गई इसके बाद अन्य छात्र उनसे ट्यूशन पढ़ने के लिए आने लगे।

हालांकि, जिंदगी में अभी काफी कुछ देखना बाकी था। इसी समय एक मुश्किल भरी शाम आई, जब दिन भर पढ़ाने के बाद खान सर को केवल 40 रुपये ही मिले। घर जाने के लिए बस का किराया 90 रुपये था। इस स्थिति में उन्होंने किसी से मदद नहीं मांगी बल्कि पैदल चलकर के ही अपनी यात्रा पूरी कर ली।

अपना कोचिंग संस्थान खोलने का लिया निर्णय- इसी रात उन्होंने गंगा किनारे बैठकर फैसला किया कि वह अपना कोचिंग संस्थान शुरू करेंगे। इसके बाद अपने दोस्तों की मदद से उन्होंने एक छोटा सा कोचिंग संस्थान भी शुरू कर लिया।

जैसे ही संस्थान चलना शुरू हुआ, पढ़ने के लिए बच्चों का आना शुरू हुआ, एक रात कोचिंग संस्थान पर बम से हमला हुआ।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल चतुर्थदशी

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

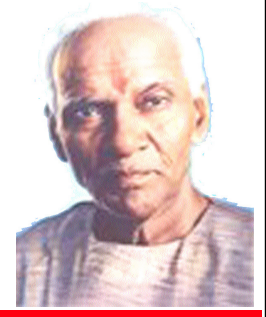

संपादकीय

भारत में नदियों, पहाड़ों और जल स्रोतों के साथ हो रहा खिलवाड़

भारत में नदियों, पहाड़ों और जल स्रोतों के साथ हो रहा खिलवाड़ अब आपदाओं का कारण बन रहा है। लालचवश लोग नदियों के पाट में मकान और पहाड़ों पर रिसॉर्ट बना रहे हैं। एक टपकता नल प्रतीक है उस सोच का, जो पर्यावरण की उपेक्षा करती है। सेल्फी, पर्यटन और मुनाफ़े की इस भीड़ में प्रकृति दम तोड़ रही है। हमें चेतना की ज़रूरत है–विकास से पहले संवेदना। यदि अब भी नहीं रुके, तो अगली आपदा किसी की संवेदना नहीं देखेगी, बस सबकुछ बहा ले जाएगी। प्रकृति माफ़ नहीं करती, वह वापस लेती है।

यह अजीब विडंबना है कि जब कोई प्राकृतिक आपदा आती है, तो हम सिर्फ़ मरने वालों पर शोक प्रकट करते हैं – जबकि जिनके लालच, उपेक्षा और मूर्खता से वह आपदा आई, उन पर सवाल उठाने का साहस नहीं करते। एक नदी के बहाव में बहे मकानों और दुकानों को देखकर हम आंसू तो बहाते हैं, लेकिन क्या हम उस कुकर्म पर विचार करते हैं जिसने नदी की गोद में घर बनवा दिए?

आज भारत के पहाड़ों से लेकर मैदानों तक, हर जगह मनुष्य का प्रलोभन ही विनाश का बीज बन चुका है। हाल की घटनाएं – उत्तरकाशी, जोशीमठ, केदारनाथ, किन्नौर या हिमाचल की तबाही – सभी हमें याद दिलाती हैं कि जब मनुष्य अपने हित में प्रकृति की रेखाएं मिटा देता है, तो नदी, पहाड़, बादल और धरती एक दिन सबकुछ वापस ले लेते हैं।

मेरे घर के पास एक छोटा सा रेस्तरां है। उसके नल से दिन-रात पानी टपकता रहता है। मैंने कई बार कहा, लेकिन उन्हें फर्क नहीं पड़ा। एक ढीला वॉशर बदलने से समस्या हल हो सकती है, लेकिन सौ-पचास रुपये की मरम्मत उनके लिए बेमतलब है। पानी बहता है, तो बहता रहे। क्या यह एक रेस्तरां तक सीमित लापरवाही है? बिल्कुल नहीं। यह प्रतीक है उस मानसिकता का जो कहती है – ÷जो हो रहा है, होने दो। हमें क्या फर्क पड़ता है?÷ इस सोच के कारण हर दिन लाखों लीटर पानी व्यर्थ जाता है, गाड़ियों से निकलती धुआं-संस्कृति जारी रहती है, कचरे में दम तोड़ती गायें खड़ी रहती हैं, और हिमालय की छाती पर रिसॉर्ट्स उगते रहते हैं।

भारत का हिमालय क्षेत्र न सिर्फ़ भौगोलिक, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी हमारी धरोहर है। परंतु अब वह पर्यटन का बाजार बन चुका है। पहाड़ों की आत्मा शांति थी, अब वह शोर में डूब चुकी है। दो दिन की छुट्टी मिलते ही लाखों लोग सेल्फी, शराब और शोरगुल की भूख लिए हिमालय पर टूट पड़ते हैं। वे वहां शांति खोजने नहीं जाते, बल्कि वहां भी उसी बाजार को बसाना चाहते हैं जिससे भागने का दावा करते हैं। रिसॉर्ट, होटल, रेस्टोरेंट, पार्किंग, रोड–हर जगह अतिक्रमण है। पहाड़ की सीमित सहनशक्ति की कोई चिंता नहीं। जिस ज़मीन को सदियों से पेडों ने थामा हुआ था, वहां अब कंक्रीट की मोटी परतें बिछ गई हैं। जब बरसात आती है, तो वह ज़मीन अपने भीतर पानी को नहीं समेट पाती – परिणामस्वरूप, वही जल वेग बनकर जान लेता है।

बादल फटते हैं, बाढ़ आती है, और हम सोशल मीडिया पर दुख प्रकट करके आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन क्या हम पूछते हैं कि उस बाढ़ ने रास्ता क्यों बदला? क्या वह प्राकृतिक था या उसे रोका गया था? नदियाँ सदियों से बहती आई हैं, उन्होंने अपने लिए रास्ता बनाया है। लेकिन जब हम घाटी में मकान बना लेते हैं, नदी के किनारे होटल ठोक देते हैं, तो वह नदी अपने रास्ते को करेगी ही। उत्तरकाशी की हालिया त्रासदी में पूरा गांव बह गया। लेकिन वह गांव पहाड़ों की गोद में नहीं था – वह नदी के पाट में बना था।

भीष्म साहनी

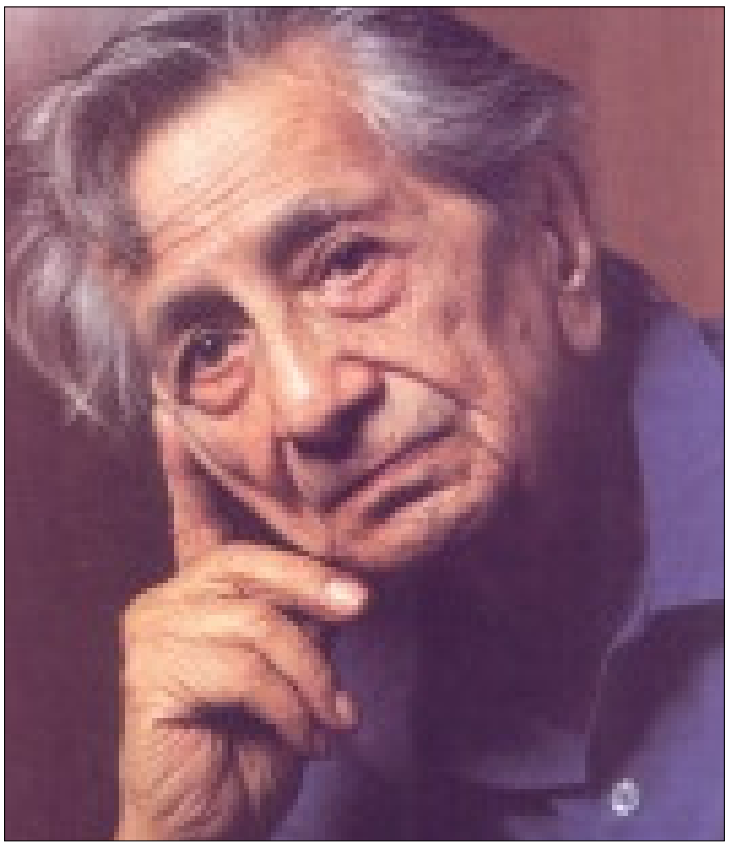

भीष्म साहनी प्रसिद्ध भारतीय लेखक थे। उन्हें हिन्दी साहित्य में प्रेमचंद की परंपरा का अग्रणी लेखक माना जाता है। वे आधुनिक हिन्दी साहित्य के प्रमुख स्तंभों में से एक थे। भीष्म साहनी मानवीय मूल्यों के सदैव हिमायती रहे। वामपंथी विचारधारा से जुड़े होने के साथ-साथ वे मानवीय मूल्यों को कभी आंखों से ओझल नहीं करते थे। आपाधापी और उठापटक के युग में भीष्म साहनी का व्यक्तित्व बिल्कुल अलग था। उन्हें उनके लेखन के लिए तो स्मरण किया ही जाता है, लेकिन अपनी सहृदयता के लिए भी वे चिरस्मरणीय हैं। भीष्म साहनी ने कई प्रसिद्ध रचनाएँ की थीं, जिनमें से उनके उपन्यास तमस पर वर्ष 1986 में एक फ़िल्म का निर्माण भी किया गया था। उन्हें कई पुरस्कार व सम्मान प्राप्त हुए थे। 1998 में भारत सरकार के पद्म भूषण अलंकरण से भी वे विभूषित किये गए थे।

जन्म तथा परिवार

भीष्म साहनी का जन्म 8 अगस्त, सन् 1915 में अविभाजित भारत के रावलपिण्डी हुआ था। उनके पिता का नाम हरबंस लाल साहनी तथा माता लक्ष्मी देवी थीं। उनके पिता अपने समय के प्रसिद्ध समाजसेवी थे। हिन्दी फ़िल्मों के ख्यातिप्राप्त अभिनेता बलराज साहनी, भीष्म साहनी के बड़े भाई थे। पिता के समाजसेवी व्यक्तित्व का इन पर काफ़ी प्रभाव था। भीष्म साहनी का विवाह शीला जी के साथ हुआ था।

शिक्षा

भीष्म साहनी की प्रारम्भिक शिक्षा घर पर ही हिन्दी व संस्कृत में हुई। उन्होंने स्कूल में उर्दू व अंग्रेज़ी की शिक्षा प्राप्त करने के बाद 1937 में गवर्नमेंट कॉलेज, लाहौर से अंग्रेज़ी साहित्य में एम.ए. किया और फिर 1958 में पंजाब विश्वविद्यालय से पी.एच.डी. की उपाधि प्राप्त की। वर्तमान समय में प्रगतिशील कथाकारों में साहनी जी का प्रमुख स्थान है।

कार्यक्षेत्र

देश के विभाजन से पहले भीष्म साहनी ने व्यापार भी किया और इसके साथ ही वे अध्यापन का भी काम करते रहे। तदनन्तर उन्होंने पत्रकारिता एवं इप्टा नामक मण्डली में अभिनय का कार्य किया। साहनी जी फ़िल्म जगत् में भाग्य आजमाने के लिए बम्बई आ गये, जहाँ काम न मिलने के कारण उनको बेकारी का जीवन व्यतीत करना पड़ा। उन्होंने वापस आकर पुन- अम्बाला के एक कॉलेज में अध्यापन के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय में स्थायी रूप से कार्य किया। इस बीच उन्होंने लगभग 1957 से 1963 तक विदेशी भाषा प्रकाशन गृह मास्को में अनुवादक के रूप में बिताये। यहाँ भीष्म साहनी ने दो दर्जन के क़रीब रशियन भाषायी किताबों, टालस्टॉय, ऑस्ट्रोव्स्की, औतमाटोव की किताबों का हिन्दी में रूपांतर किया। उन्होंने 1965 से 1967 तक ÷नई कहानियाँ÷ का सम्पादन किया। साथ ही वे प्रगतिशील लेखक संघ तथा अफ़्रो एशियाई लेखक संघ से सम्बद्ध रहे। वे 1993 से 1997 तक साहित्य अकादमी एक्जिक्यूटिव कमेटी के सदस्य भी रहे।

गद्य लेखन

भीष्म साहनी का गद्य एक ऐसे गद्य का उदाहरण हमारे सामने प्रस्तुत करता है, जो जीवन के गद्य का एक ख़ास रंग और चमक लिए हुए है। उसकी शक्ति के स्रोत काव्य के उपकरणों से अधिक जीवन की जड़ों तक उनकी गहरी पहुँच है। भीष्म जी को कहीं भी भाषा को गढ़ने की ज़रुरत नहीं होती। सुडौल और ख़ूब पक्की ईंट की खनक ही उनके गद्य की एकमात्र पहचान है। जहाँ तक प्रगतिवादी कथा आन्दोलन और भीष्म साहनी के कथा साहित्य का प्रश्न है तो इसे काल की सीमा में बद्ध कर देना उचित नहीं है। हिन्दी लेखन में समाजोन्मुखता की लहर बहुत पहले नवजागरण काल से ही उठने लगी थी। मार्क्सवाद ने उसमें केवल एक और आयाम जोड़ा था। इसी मार्क्सवादी चिन्तन को मानवतावादी दृष्टिकोण से जोड़कर उसे जन-जन तक पहुंचाने वालों में एक नाम भीष्म साहनी जी का भी है। स्वातन्त्र्योत्तर लेखकों की भाँति भीष्म साहनी सहज मानवीय अनुभूतियों और तत्कालीन जीवन के अन्तर्द्वन्द्व को लेकर सामने आए और उसे रचना का विषय बनाया। जनवादी चेतना के लेखक उनकी लेखकीय संवेदना का आधार जनता की पीड़ा है। जनसामान्य के प्रति समर्पित उनका लेखन यथार्थ की ठोस जमीन पर अवलम्बित है।

यशपाल तथा प्रेमचंद का प्रभाव

एक कथाकार के रूप में भीष्म साहनी पर यशपाल और प्रेमचंद की गहरी छाप है। उनकी कहानियों में अन्तर्विरोधों व जीवन के द्वन्द्वों, विसंगतियों से जकड़े मध्य वर्ग के साथ ही निम्न वर्ग की जिजीविषा और संघर्षशीलता को उद्घाटित किया गया है। जनवादी कथा आन्दोलन के दौरान भीष्म साहनी ने सामान्य जन की आशा, आकांक्षा, दुःख, पीड़ा, अभाव, संघर्ष तथा विडम्बनाओं को अपने उपन्यासों से ओझल नहीं होने दिया। नई कहानी में उन्होंने कथा साहित्य की जड़ता को तोड़कर उसे ठोस सामाजिक आधार दिया। एक भोक्ता की हैसियत से भीष्म जी ने देश के विभाजन के दुर्भाग्यपूर्ण खूनी इतिहास को भोगा है, जिसकी अभिव्यक्ति तमस में हम बराबर देखते हैं। जहाँ तक नारी मुक्ति की समस्या का प्रश्न है, उन्होंने अपनी रचनाओं में नारी के व्यक्तित्व विकास, स्वातन्त्र्य, एकाधिकार, आर्थिक स्वतन्त्रता, स्त्री शिक्षा तथा सामाजिक उत्तरदायित्व आदि उसकी सम्मानजनक स्थिति का समर्थन किया है। एक तरह से देखा जाए तो साहनी जी प्रेमचंद के पदचिन्हों पर चलते हुए उनसे भी कहीं आगे निकल गए हैं।

उनकी रचनाओं में सामाजिक अन्तर्विरोध पूरी तरह उभरकर आया है। राजनैतिक मतवाद अथवा दलीयता के आरोप से दूर भीष्म साहनी ने भारतीय राजनीति में निरन्तर बढ़ते भ्रष्टाचार, नेताओं की पाखण्डी प्रवृत्ति, चुनावों की भ्रष्ट प्रणाली, राजनीति में धार्मिक भावना, साम्प्रदायिकता, जातिवाद का दुरुपयोग, भाई-भतीजावाद, नैतिक मूल्यों का ह्रास, व्यापक स्तर पर आचरण भ्रष्टता, शोषण की षड़यन्त्रकारी प्रवृत्तियों व राजनैतिक आदर्शों के खोखलेपन आदि का चित्रण बड़ी प्रामाणिकता व तटस्थता के साथ किया है। उनका सामाजिक बोध व्यक्तिगत अनुभव पर आधारित था। उनके उपन्यासों में शोषणहीन, समतामूलक प्रगतिशील समाज की रचना, पारिवारिक स्तर, रूढ़ियों का विरोध तथा संयुक्त परिवार के पारस्परिक विघटन की स्थितियों के प्रति असन्तोष व्यक्त हुआ है। भीष्म जी का सांस्कृतिक दृष्टिकोण नितान्त वैज्ञानिक और व्यावहारिक है, जो निरन्तर परिष्करण परिशोधन व परिवर्धन की प्रक्रिया से गुजरता है। प्रगतिशील दृष्टि के कारण वह मूल्यों पर आधारित ऐसी धर्मभावना के पक्षधर हैं, जो मानव मात्र के कल्याण के प्रति प्रतिबद्ध और उपादेय है।

आदर्श दाम्पत्य का रेखांकन

यदि स्त्री-पुरुष सम्बन्ध की बात की जाए तो भीष्म साहनी भारतीय गृहस्थ जीवन में स्त्री-पुरुष के जीवन को रथ के दो पहियों के रूप में स्वीकार करते हैं। विकास और सुखी जीवन के लिए दोनों के बीच आदर्श संतुलन और सामंजस्य का बना रहना अनिवार्य है। उनकी रचनाओं में सामंजस्यपूर्ण जीवन जीने वाले आदर्श दम्पत्तियों को बड़ी गरिमा के साथ रेखांकित किया गया है। उनका विश्वास है कि स्त्रियों के लिए समुचित शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता व व्यक्तित्व विकास की सुविधा आदर्श समाज की रचना के लिए नितान्त आवश्यक है। वह स्त्रियों के व्यक्तित्व विकास के पक्षपाती थे, जो अवसर पाकर अपना चरम विकास कर सकती है। भीष्म साहनी परम्परा से चली आ रही विवाह की जड़ परम्परा को स्वीकार न करके भावनात्मक एकता और रागात्मक अनुबंधों को विवाह का प्रमुख आधार मानते थे। मानवीय मूल्यों पर आधारित उनकी धर्म भावना इंसान को इंसान से जोड़ती है न कि उन्हें पृथक् करती है। उनके उपन्यासों में शोषणविहीन समतामूलक प्रगतिशील समाज की स्थापना के साथ समाज में व्याप्त आर्थिक विसंगतियों के त्रासद परिणाम, धर्म की विद्रूपता व खोखलेपन को उद्घाटित किया गया है।भाषा-शैली

भीष्म साहनी हिन्दी और अंग्रेज़ी के अलावा उर्दू, संस्कृत, रूसी और पंजाबी भाषाओं के अच्छे जानकार थे।

पांच साल से 0 सैलरी ले रहे मुकेश अंबानी, फिर कैसे चलता है खर्चा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के सबसे अमीर शख्स और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन-एमडी मुकेश अंबानी ने वित्त वर्ष 2024-25 में लगातार पाँचवें वर्ष कोई सैलरी नहीं ली है। ऋ्रुकी लेटेस्ट एनुअल रिपोर्ट के अनुसार, अंबानी ने COVID-19 महामारी के दौरान लिए गए अपने फैसले को जारी रखने का विकल्प चुना है, जिसमें सैलरी, अलाउंसेज और अन्य इंसेंटिव्स समेत सारे मेहनताने को छोड़ने का फैसला शामिल है।

कोरोना काल से नहीं ली सैलरी

67 वर्षीय अंबानी ने कोरोना काल (वित्त वर्ष 2020-21) से कोई सैलरी नहीं ली है। इससे पहले, वित्त वर्ष 2008-09 से वित्त वर्ष 2019-20 तक उनका सालना वेतन ?15 करोड़ पर सीमित रहा था। हालाँकि वे भारत की सबसे अधिक मार्केट कैपिटल वाली कंपनी में टॉप एग्जीक्यूटिव पद पर बने हुए हैं। फिर भी वे इस पद के लिए 5 साल से कोई सैलरी नहीं ले रहे। फोर्ब्स के अनुसार 7 अगस्त, 2025 तक 103.3 बिलियन डॉलर (9.06 लाख करोड़ रु) की कुल संपत्ति के साथ, मुकेश अंबानी दुनिया के 18वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं।

कैसे चलता है मुकेश अंबानी का खर्चा

रिलायंस इंडस्ट्रीज, जिसमें अंबानी परिवार की 50.33त्न हिस्सेदारी है, ने वित्त वर्ष 24 के लिए ?10 प्रति शेयर डिविडेंड घोषित किया था। इससे अंबानी परिवार को 332.27 करोड़ शेयरों के आधार पर ?3,322.7 करोड़ का डिविडेंड मिला।

डिविडेंड के अलावा मुकेश अंबानी को मिलने वाले अन्य फायदों में बिजनेस से संबंधित यात्रा, एकोमोडेशन और कम्युनिकेशंस एक्सपेंसेसज के लिए रिइम्बर्समेंट के साथ-साथ कंपनी द्वारा मिलने वाली सिक्योरिटी का बेनेफिट मिलता है।

बच्चों की कितनी मिली सैलरी- इस बीच, मुकेश अंबानी के तीन बच्चों, ईशा अंबानी पीरामल, आकाश अंबानी और अनंत अंबानी, जिन्हें अक्टूबर 2023 में नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर्स के रूप में बोर्ड में शामिल किया गया था, में प्रत्येक को वित्त वर्ष 2025 के लिए सिटिंग फीस के रूप में ?0.06 करोड़ और कमीशन के रूप में ?2.25 करोड़ मिले।

ये 3 भारतीय एयरलाइन लगा सकती हैं अमेरिका की अकल ठिकाने

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर टैरिफ बढ़ा दिया है। नए ऐलान में 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाया गया है, जिससे कुल टैरिफ 50 फीसदी हो गया है। ऐसे में सवाल उठने लगे हैं कि भारत कैसे ट्रंप के टैरिफ से निपट सकता है। माना जा रहा है कि भारत अपने एक फैसले से ही अमेरिका की एक कंपनी को 4.30 लाख करोड़ रु का झटका दे सकता है।

दरअसल भारत की 3 एयरलाइन कंपनियों के प्लेन बनाने वाली अमेरिकी कंपनी बोइंग के पास कई हवाई जहाजों के पेंडिंग ऑर्डर पड़े हैं। यदि बोइंग के इन ऑर्डर्स को रद्द किया जाए, तो उसे 4.30 लाख करोड़ रु का झटका लगेगा। आइए जानते हैं कि भारत के पास क्या हैं ऑप्शन।

साल 2023 में, एयर इंडिया ने 470 विमानों का रिकॉर्ड तोड़ ऑर्डर दिया, जिसमें 220 बोइंग और 250 एयरबस के थे। इसके बाद 100 एयरबस विमानों का अतिरिक्त ऑर्डर दिया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार भारतीय एयरलाइंस को 499 और विमानों की डिलीवरी होनी है। इनमें से 20 बोइंग 787 ड्रीमलाइनर, 142 बोइंग 737 मैक्स और बोइंग 10 777ङ्क एयर इंडिया को मिलने हैं। 198 बोइंग 737 मैक्स अकासा एयर को दिए जाने हैं।

50% तक गिरे टाटा ग्रुप की इस नामी कंपनी के शेयर, क्या यह खरीदने का अच्छा समय, ब्रोकरेज के टारगेट प्राइस

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा ग्रुप की रिटेल कंपनी ट्रेंट के शेयरों में पहली तिमाही के नतीजों के बाद तेजी देखने को मिली। हालांकि, बाजार में हावी गिरावट के साथ ही ट्रेंट के शेयर भी मंदी के साथ कारोबार करने लगे। टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट देश में वेस्ट साइड और जूडिओ जैसे रिटेल आउटलेट संचालित करती है, जहां कपड़े समेत लाइफ स्टाइल से जुड़े अन्य प्रोडक्ट्स मिलते हैं। अक्टूबर 2024 में ट्रेंट के शेयर 8300 रुपये के स्तर तक चले गए थे लेकिन लगातार हावी गिरावट से इस साल शेयरों ने 4400 रुपये का लो लगाया था। ऐसे में यह स्टॉक करीब 45 फीसदी तक टूट गया था।

7 अगस्त को सुबह के शुरुआती कारोबार में ट्रेंट के शेयरों में लगभग 2 प्रतिशत की तेजी आ गई, क्योंकि कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2026 की अप्रैल-जून तिमाही में 423 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हासिल किया। खास बात है कि सालाना आधार पर कंपनी के मुनाफे में 24 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली।

कैसे रहे Q1 रिजल्ट- ट्रेंट का ऑपरेशनल रेवेन्यू वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में 20 प्रतिशत बढ़कर 4,781 करोड़ रुपये रहा, जबकि वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही में यह 3,992 करोड़ रुपये था। वहीं, वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में ऑपरेशनल EBIT मार्जिन 11.4 प्रतिशत रहा, जबकि वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही में यह 10.6 प्रतिशत था।

ब्रोकरेज के टारगेट प्राइस- टाटा समूह की कंपनी ट्रेंट के शेयरों पर घरेलू ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने 'BUY' रेटिंग बरकरार रखी, लेकिन इसके टारगेट प्राइस को घटाकर 6,400 प्रति शेयर कर दिया। इसका मतलब है कि यह शेयर पिछले क्लोजिंग प्राइस 5,356 प्रति शेयर से करीब 20 प्रतिशत की बढ़त दिखा सकता है।

बर्नस्टीन ने ट्रेंट के शेयर के लिए आउटपरफॉर्म रेटिंग दी है और इसका लक्ष्य मूल्य 6,500 रुपये प्रति शेयर रखा है।

टाटा लाने जा रहा है इस साल का सबसे बड़ा आईपीओ, कितना करना होगा निवेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप आईपीओ में निवेश करते हैं, तो आपके लिए एक अच्छी खबर है। टाटा जल्द एक बड़ा आईपीओ लाने जा रहा है। अगर इस आईपीओ को सेबी की तरफ से मंजूरी मिलती है, तो ये इस साल का सबसे बड़ा आईपीओ हो सकता है।

कितना बड़ा होने वाला है ये आईपीओ- पीटीआई रिपोर्ट के अनुसार ये आईपीओ 2 अरब अमेरिकी डॉलर का हो सकता है। इस आईपीओ के तहत कंपनी 21 करोड़ फ्रेश इश्यू और 23 करोड़ इक्विटी शेयर ऑफर फॉर सेल के लिए जारी कर सकती है। कंपनी के लाभ की बात करें तो साल 2023-24 में इसके लाभ में 10 फीसदी की बढ़ोतरी आई थी। कंपनी क्या काम करती है?

टाटा कैपिटल, टाटा की ही NBFC (Non Banking Financial Company) है या वित्तीय संगठन है। टाटा का ये संस्थान कई तरह की वित्तीय सुविधा प्रदान करता है। ये सिर्फ लोगों को नहीं बल्कि संस्थान और इन्स्टिट्यूशनल को भी वित्तीय सर्विस देता है।

कब होगी Tata Capital IPO की ओपनिंग- अभी कंपनी की ओर से सेबी में आईपीओ के लिए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दिया गया है। जैसे ही इसे मंजूरी मिल जाएगी, कंपनी आईपीओ ओपनिंग की डेट जारी कर सकती है। अभी कंपनी की ओर से ओपनिंग डेट, प्राइस बैंड इत्यादि को लेकर कोई डिटेल नहीं दी गई है।

कितने रुपये में लगा सकते हैं बिस्किट-नमकीन की फैक्ट्री? शुरू करने के लिए 20 लाख तक की मदद करेगी सरकार!

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज के समय में बहुत से लोग नौकरी नहीं करना चाहते। बल्कि खुद का बिजनेस शुरू करके एक नया मुकाम हासिल करना चाहते है। लेकिन बहुत से लोग इस बात को लेकर कंफ्यूज रहते हैं कि आखिर बिजनेस करें तो किसका करें। अगर आप भी इस कन्फ्यूजन में हैं तो हम आपके लिए एक ऐसा बिजनेस आइडिया लेकर आए हैं, जो आपको भा सकता है और एक नया मुकाम भी दिला सकता है। आज के समय में हर खाने-पीने का बिजनेस बहुत ही प्रॉफिटेबल वाला होता है। खाने-पीने की चीजें

हर कोई खरीदता है। इन्हीं खाने-पीने की चीजों में बिस्किट और नमकीन भी आती है। इसका बिजनेस करने वाले आज लाखों और करोड़ों में खेल रहे हैं। ऐसे में अगर आप भी इस बिजनेस को करने की सोच रहे हैं तो आइए जानते हैं कि इसमें कितने तक का खर्च आ सकता है और सरकार से किस योजना के तहत लोन पास कराया जा सकता है।

बिस्किट-नमकीन की फैक्ट्री लगाने में आने वाला खर्च इस बात पर निर्भर करता है कि आप किस स्तर पर इसको लगाना चाहते हैं। फैक्ट्री लगाने का खर्च कई चीजों पर निर्भर करता है। फैक्ट्री की उत्पादन क्षमता, मशीनरी, कच्चे माल की लागत, और स्थान इन सब में अहम भूमिका निभाता है।

अगर आप छोटे पैमाने पर बिस्किट-नमकीन का काम शुरू करना चाहते हैं तो औसतन 5 लाख से 10 लाख रुपये तक का खर्च आ सकता है। लेकिन अगर आप बड़े पैमाने पर फैक्ट्री लगाने की सोच रहे हैं तो 50 लाख से 1 करोड़ या उससे भी अधिक का भी खर्च आ सकता है।

भारत सरकार स्वास्थ्य सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए कई तरह की योजनाएं चला रही है। इन योजनाओं के जरिए सरकार उद्यमियों को लोन और सहायता मुहैया कराती है।

315% बढ़ा सोलर एनर्जी कंपनी का मुनाफा, Q1 नतीजे आते ही शेयर में लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्मॉलकैप कंपनी रविंद्र एनर्जी लिमिटेड ने जून 2025 की तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया है। कंपनी का शुद्ध मुनाफा 314.55% बढ़कर 22.8 करोड़ रुपए तक पहुंच गया, जो पिछले साल जून 2024 की तिमाही में 5.59 करोड़ रुपए था।

इसके साथ ही कंपनी की बिक्री में भी जबरदस्त उछाल देखने को मिला। इस बार बिक्री 616.16% बढ़कर 162.64 करोड़ रुपए हो गई, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में यह 22.71 करोड़ रुपए थी।

जून 2025 की तिमाही में कंपनी का ऑपरेटिंग प्रॉफिट मार्जिन 17.14% रहा, जो पिछले साल 32.28% था। इस शानदार प्रदर्शन से रविंद्र एनर्जी ने निवेशकों का भरोसा जीता है और बाजार में अपनी मजबूत स्थिति साबित की है। कंपनी की यह कामयाबी भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जगाती है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

कुबेरेश्वर धाम में अब तक सात लोगों की मौत, प्रशासन ने 8 डीजे संचालकों पर की कार्रवाई

सीहोर। कुबेरेश्वर धाम से एक 40 वर्षीय युवक अनिल पिता महावीर को अचानक स्वास्थ्य खराब हो जाने के कारण जिला अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की मौत का कारण हृदय गति रुकना बताया गया है। मृतक अस्थमा का मरीज भी था। मृतक ग्राम खेड़ा कला, दिल्ली निवासी हैं। कांवड़ यात्रा के दौरान तीन दिन में सात मौत हो चुकी हैं।

छठे मृतक की पहचान उपेन्द्र गुप्ता पिता प्रेम गुप्ता उम्र 22 निवासी जिला गोरखपुर तहसील पिपराइच बड़ा टोला उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। कुबेरेश्वर धाम पर अब तक हुई 7 लोगों की मौत में दो महिलाओं की मौत धक्का मुक्की के दौरान हुई थी। चार लोगों की मौत प्राकृतिक तौर पर हुई है। गुरुवार को ही दूसरी और अब तक सातवीं मौत अनिल पिता महावीर की हुई है। 8 डीजे संचालकों पर सीहोर पुलिस की कार्रवाई

6 अगस्त को कोतवाली पुलिस सीहोर द्वारा बिना अनुमति के तेज आवाज में डीजे बजाकर ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले व वाहनों पर उनके आकार से कई अधिक बड़े-बड़े साउंड सिस्टम लगाकर राजमार्ग अवरुद्ध कर यातायात बाधित करने वाले आठ डीजे संचालकों पर कार्रवाई की गई है।

6 अगस्त को सीहोर में पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा सीवन नदी सीहोर से जल भरकर कुबेरेश्वर धाम तक कावड़ यात्रा निकाली जा रही थी, जिसके कारण सीहोर से लेकर कुबेरेश्वर धाम तक श्रद्धालुओं की भीड़ थी जो पैदल-पैदल कांवड़ लेकर जा रहे थे, जिसके कारण हाईवे पर अधिक ट्रैफिक था।

ऐसे में कुछ डीजे संचालक ध्वनि तीव्रता की निर्धारित सीमा से अधिक आवाज में डीजे बजा रहे थे व वाहनों पर उनके आकार से कई अधिक बड़े-बड़े साउंड सिस्टम लगाकर यातायात बाधित कर रहे थे, जिसकी सूचना मिलने पर थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक रविंद्र यादव के नेतृत्व में उनकी टीम द्वारा अलग-अलग जगह से आठ डीजे जब्त कर उनके विरुद्ध मध्य प्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम के तहत प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया गया।

इन वाहनों को किया गया जब्त-जब्त किए गए डीजे में वाहन क्रमांक एमपी 14 एच बी 0125 त्रिनेत्र डीजे संचालक निखिल कुमार पिता सुरेश परमार आयु 25 साल निवासी बड़ोदरा गुजरात एमपी 09एचएफ9586 नटराज डीजे कुशवाहा पिता राजाराम कुशवाहा निवासी मुबारकपुर भोपाल, यूपी 78 सीटी 6178 कसाना डीजे संचालक राजा सोलंकी पिता कन्हैयालाल सोलंकी निवासी पटेल कॉलोनी बढ़िया खेड़ी सीहोर, सीजी 07 सीएन 3589 संचालक स्वदेश छीरेले पिता राम नारायण छीरेले निवासी कैंप भिलाई दुर्ग छत्तीसगढ़, एमपी 04 एच ई 1058 बाबा डीजे संचालक कमलेश कुशवाह पिता कैलाश कुशवाहा निवासी मोती बाबा मंदिर के पास सीहोर, एमपी 13 एच 2008 प्रशांत डीजे संचालक अश्विन काटने पिता गौतम कथा ने निवासी सर्वदा कॉलोनी कोलार रोड सी सेक्टर भोपाल, एमपी 09 एच जे 8861 संचालक बाबूलाल पिता ब्रिजी मातो निवासी ग्राम बगला थाना चंदनक्यारी जिला बोकारो झारखंड, यूपी 53 ईटी 2782 संचालक राजेंद्र प्रताप प्रेमचंद उम्र 27 साल निवासी अंबेडकर नगर थाना अरहवली जिला उत्तर प्रदेश शामिल हैं।

गुजरात में धड़केगा सिवनी के सत्येंद्र का दिल, लीवर भोपाल में देगा मरीज को नया जीवन

जबलपुर। नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में एक ब्रेन डेड मरीज के अंगदान ने कई लोगों को नया जीवन देने का प्रयास किया है। महत्वपूर्ण है कि घंसौर में सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल होने के बाद 34 साल के युवक सत्येंद्र यादव को मेडिकल कॉलेज लाया गया था, जहां बुधवार रात डॉक्टर ने ब्रेनडेड घोषित कर दिया था।

ग्रीन कॉरिडोर बनाने की प्रक्रिया गुरुवार सुबह शुरू हो चुकी थी। हालांकि दो बार समय में संशोधन के बाद सबसे पहले हृदय ग्रीन कॉरिडोर बनाकर दोपहर बाद 3ः40 पर डुमना विमानतल के लिए रवाना हुआ, जहां से एयर एंबुलेंस की मदद से अहमदाबाद स्थित सिम्स अस्पताल भेजा गया। दूसरा कॉरिडोर शाम 4ः18 बजे लिवर डुमना विमानतल के लिए बनाया गया। लीवर लेकर सिद्धांता सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल भोपाल के लिए एयर एंबुलेंस ने उड़ान भरी। मरीज के अंगों को सुरक्षित निकालने के बाद उन्हें राजधानी भोपाल और अहमदाबाद भेजने की प्रक्रिया सुबह से मेडिकल कॉलेज परिसर में जारी थी।

एक व्यक्ति के अंगों से तीन लोगों को मिलेगी जिंदगी-मरीज सत्येंद्र यादव का ब्रेनडेड हो गया था, मेडिकल डॉक्टरों ने मरीज के स्वजन से बात की और अंगदान के बारे में जानकारी दी। जिसके बाद

मरीज के स्वजन तैयार हुए और अंगदान की प्रक्रिया पूरी की गई। अंगदान करने वाले सत्येंद्र का हृदय, लीवर और किडनी दान किया गया है। मरीज का दिल गुजरात के अहमदाबाद में एक जरूरतमंद मरीज के लिए भेजा जा गया है। लीवर को भोपाल भेज रहे हैं, जहां के एक मरीज को यह नया जीवन देगा। एक किडनी जबलपुर में ही किसी जरूरतमंद मरीज को ट्रांसप्लांट की जाएगी, जबकि दूसरी किडनी को भी सुरक्षित रखा गया है।

ग्रीन कॉरिडोर से कम समय में पहुंचे अंग-अंगों को समय पर उनके गंतव्य तक पहुंचाना एक बड़ी चुनौती होती है। इसके लिए ट्रैफिक पुलिस और प्रशासन के सहयोग से मेडिकल अस्पताल से लेकर डुमना एयरपोर्ट तक ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। इस कॉरिडोर के जरिए एंबुलेंस को बिना किसी रुकावट के एयरपोर्ट तक पहुंचाने विशेष इंतजाम किए गए थे। ताकि अंगों को तुरंत एयर एंबुलेंस से भेजा जा सके।

ग्रीन कारिडोर को कैसे समझें-दोपहर बाद दो ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया और मेडिकल से एंबुलेंस के माध्यम से लिवर व हृदय डुमना के लिए रवाना हुए, जिसके लिए एंबुलेंस मेडिकल कॉलेज से निकलकर बरगी हिल्स रामपुर का रूट होते हुए सीएमएम, सिविल लाइन से डुमना पहुंची। ट्रैफिक को देखते हुए शहर के अंदर के रूट को छोड़कर बाहर से रूट तैयार किया गया था।

मैं मरीज के स्वजन को धन्यवाद देना चाहूंगा, जिनकी सहमति से हम दो मरीजों को जीवन दान देने के प्रयास में सहयोगी बन सके। किडनी को अभी सुपर स्पेशियलिटी में सुरक्षित रखा गया है, जो कि जरूरतमंद को लगाई जा सकेगी- डॉक्टर नवनीत सक्सेना, डीन एनएससीबी मेडिकल कालेज जबलपुर।

राखी से पहले MP के इस शहर में दूध की कीमतों में बेतहाशा बढ़ोतरी... जनता में बढ़ा रोष

जबलपुर। जबलपुर जिले में एक बार फिर दूध के दाम बढ़ा दिए गए हैं। यह बढ़ोतरी बिना किसी पूर्व सूचना के की गई है। डेयरी संचालकों ने 70 रुपये प्रति लीटर दूध के दाम को सीधे 73 रुपये कर दिया है। इस अचानक हुई बढ़ोतरी से आम लोग हैरान हैं। खास बात यह है कि यह निर्णय बिना प्रशासनिक मंजूरी या किसी संवाद के हुआ है।स्थानीय नागरिक उपभोक्ता मंच और मानव अधिकार संगठनों ने इस निर्णय का विरोध किया है। बुधवार को घंटाघर क्षेत्र में लोगों ने प्रदर्शन कर प्रशासन से मांग की कि इस मूल्य वृद्धि को तुरंत वापस लिया जाए। लोगों का कहना है कि त्योहारों के समय जानबूझकर दाम बढ़ाकर जनता पर बोझ डाला जा रहा है। प्रदर्शन में नागरिक मंच के सदस्य, सामाजिक कार्यकर्ता और मानवाधिकार संगठन के पदाधिकारी शामिल हुए। मंच के सदस्यों का कहना है कि डेयरियों द्वारा मिलावटी दूध बेचा जा रहा है, फिर भी वे दाम लगातार बढ़ा रहे हैं। यह उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन है। समाजसेवी डॉ. पीजी नाजपांडे ने बताया कि परियट क्षेत्र में डेयरी संचालकों की बैठक में सामूहिक रूप से रेट तय किया गया, जो मोनोपोलीज एंड रेस्ट्रिक्टेड प्रैक्टिसेज एक्ट के खिलाफ है। उन्होंने कलेक्टर से अपील की कि जिला दण्डाधिकारी के नाते इस तरह के निर्णय को खारिज किया जाए। मानव अधिकार संगठन के अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार वाधवानी समेत कई लोगों ने जिला प्रशासन और स्थानीय विधायकों से अपील की है कि वे जनता की आवाज उठाएं और दूध के दाम कम कराएं।

तानसेन की तान से टेढ़ा हुआ मध्यप्रदेश के बेहट का प्राचीन शिव मंदिर... सावन में उमड़ती है श्रद्धालुओं की भीड़

बेहट। मध्यप्रदेश के बेहट में स्थित एक प्राचीन शिव मंदिर आस्था, इतिहास और संगीत का अनोखा संगम है। मान्यता है कि यह मंदिर सुर सम्राट तानसेन की तान से टेढ़ा हो गया था। सावन माह में यहां देशभर से शिवभक्त पहुंचते हैं, जो इस मंदिर को सिद्ध पीठ मानते हैं। झिलमिल नदी के किनारे बसे इस मंदिर की महिमा और परंपराएं भक्तों के लिए आस्था का केंद्र बनी हुई हैं।

तानसेन की तान से टेढ़ा हुआ मंदिर बेहट का यह शिव मंदिर सिर्फ धार्मिक दृष्टि से नहीं, बल्कि ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के लिए भी प्रसिद्ध है। कहा जाता है कि यह मंदिर अकबर के नौ रत्नों में से एक तानसेन की जन्मभूमि पर स्थित है। मान्यता है कि तानसेन की रियाज़ के प्रभाव से मंदिर की संरचना टेढ़ी हो गई थी। कई बार इसे सीधा करने का प्रयास किया गया, लेकिन हर बार असफलता ही हाथ लगी। आज भी यह मंदिर भक्तों और संगीत प्रेमियों के लिए विशेष आस्था का केंद्र बना हुआ है। सावन में लगती है भक्तों की भीड़

सावन का महीना आते ही मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ जाती है। भोर से ही जलाभिषेक करने के लिए भक्त मंदिर पहुंचते हैं। पूरे सावन में यहां विशेष पूजा-अर्चना, अभिषेक और भजन-कीर्तन का आयोजन होता है। भक्त शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र आदि अर्पित कर महादेव से आशीर्वाद मांगते हैं।

धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन इस मंदिर के परिसर में केवल पूजा-पाठ ही नहीं, सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होते हैं। अखिल भारतीय तानसेन समारोह की अंतिम सभा यहीं होती है। देशभर के ख्यातनाम कलाकार इस स्थान पर प्रस्तुति देते हैं और मानते हैं कि यहां भगवान शिव और तानसेन का विशेष आशीर्वाद मिलता है।

भक्तों की मान्यता और अनुभव

स्थानीय श्रद्धालु बताते हैं कि यह मंदिर एक सिद्ध पीठ है। यहां आकर मनोकामनाएं पूरी होती हैं। अमन शर्मा, एक भक्त, कहते हैं कि यह चमत्कारी मंदिर है। भोलेनाथ के दर्शन मात्र से मन को शांति मिलती है। राकेश गोयल बताते हैं कि हम हर साल ग्वालियर से सावन में दर्शन के लिए बेहट मंदिर जाते हैं।

कलेक्टर आशीष सिंह द्वारा उपभोक्ताओं के हित में नवाचार

शासकीय उचित मूल्य दुकानों पर स्थापित जन पोषण केन्द्र से मिलने लगी है राखी, सांची पेड़ा, नारियल और अन्य सामग्री

इंदौर। रक्षाबंधन त्योहार को देखते हुए कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में उपभोक्ताओं के हित में एक और नवाचार किया जा रहा है। इंदौर जिले में शासकीय उचित मूल्य दुकानों पर स्थापित जन पोषण केन्द्र के माध्यम से उपभोक्ताओं को बाजार मूल्य से कम कीमत पर राखी, सांची पेड़ा, नारियल और अन्य सामग्री उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। उल्लेखनीय है कि पायलेट प्रोजेक्ट के तहत इंदौर जिले की 30 उचित मूल्य दुकानों को जन पोषण केन्द्र के रूप में स्थापित किया गया है।

जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री एम.एल. मारू ने बताया कि सरकारी राशन की दुकानों को पोषण केंद्रों में बदलने की प्रदेश में यह एक अभिनव पहल है। जन पोषण केंद्रों में राशन के अलावा दैनिक ज़रूरत के सामान भी मिल रहे हैं। जन पोषण केंद्रों से पोषण से जुड़े उत्पादों का विक्रय भी किया जा रहा है। इन केंद्रों में राशन डीलरों को आय का एक और ज़रिया मिला है। केंद्रों के संचालन के लिए संचालकों को उद्यमिता विकास के लिए प्रशिक्षण भी दिया गया है। इन केंद्रों में डिजिटल टूल्स और सहायता प्रणालियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इंदौर जिले के चिन्हित 30 उचित मूल्य दुकान विक्रेताओं को उचित मूल्य दुकान पर जन पोषण केंद्र के माध्यम से पीडीएस की सामग्री के अलावा अन्य सामग्री विक्रय, पोषण संबंधी वस्तुएं प्राथमिकता से विक्रय करने, उचित मूल्य दुकानों को बहुउद्देशीय बनाने, भंडार संचालक को अतिरिक्त सामग्री बिक्री से आमदनी बढ़ाने और आम उपभोक्ताओं को पोषण संबंधी वस्तुएं सुलभ प्राप्त कराने का आवश्यक प्रशिक्षण दिया गया है। उचित मूल्य दुकानों के संचालकों द्वारा जन पोषण केन्द्रों का प्रभावी संचालन किया जा रहा है।

घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग पर खाद्य विभाग की प्रभावी छापामार कार्रवाई

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग, अवैध भंडारण एवं रिफिलिंग के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में आज दो जांच दलों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में छापामार कार्रवाई करते हुए कुल 48 गैस सिलेंडर एवं संबंधित उपकरण जप्त किए गए। जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री एम. एल. मारू ने बताया कि दल क्रमांक एक द्वारा अरविंदो हॉस्पिटल के पास स्थित दो प्रतिष्ठानों पर जांच की गई। संजरी लाइट हाउस गैस चूल्हा रिपेयरिंग सेंटर, संचालक मोहम्मद शादाब की दुकान पर अवैध रूप से घरेलू गैस सिलेंडरों की रिफिलिंग करते हुए पाया गया। दुकान से 05 नग घरेलू गैस सिलेंडर (14.2 किलोग्राम क्षमता), 19 नग 3 किलोग्राम के छोटे नॉन-स्टैण्डर्ड सिलेंडर, एक तौल कांटा, रिफिलिंग में प्रयुक्त पीतल बंसी (गैस रिफिल पाइप) जप्त किए गए। इसके अतिरिक्त एक अन्य प्रतिष्ठान से 07 नग घरेलू गैस सिलेंडर व्यावसायिक उपयोग में पाए जाने पर जब्त किए गए। दल क्रमांक 2 द्वारा एयरपोर्ट रोड, शिक्षक नगर एवं कालानी नगर क्षेत्र के तीन रेस्टोरेंट में छापामार कार्रवाई की गई। इन प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग करते हुए पाया गया। कार्रवाई के दौरान कुल 17 नग घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा उपभोक्ताओं के हित में नवाचार

इंदौर। रक्षाबंधन त्योहार को देखते हुए कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में उपभोक्ताओं के हित में एक और नवाचार किया जा रहा है। इंदौर जिले में शासकीय उचित मूल्य दुकानों पर स्थापित जन पोषण केन्द्र के माध्यम से उपभोक्ताओं को बाजार मूल्य से कम कीमत पर राखी, सांची पेड़ा, नारियल और अन्य सामग्री उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। उल्लेखनीय है कि पायलेट प्रोजेक्ट के तहत इंदौर जिले की 30 उचित मूल्य दुकानों को जन पोषण केन्द्र के रूप में स्थापित किया गया है।

जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री एम.एल. मारू ने बताया कि सरकारी राशन की दुकानों को पोषण केंद्रों में बदलने की प्रदेश में यह एक अभिनव पहल है। जन पोषण केंद्रों में राशन के अलावा दैनिक ज़रूरत के सामान भी मिल रहे हैं। जन पोषण केंद्रों से पोषण से जुड़े उत्पादों का विक्रय भी किया जा रहा है। इन केंद्रों में राशन डीलरों को आय का एक और ज़रिया मिला है। केंद्रों के संचालन के लिए संचालकों को उद्यमिता विकास के लिए प्रशिक्षण भी दिया गया है। इन केंद्रों में डिजिटल टूल्स और सहायता प्रणालियों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

राष्ट्रीय महिला कौशल प्रशिक्षण संस्थान इंदौर में मनाया गया स्वच्छता पखवाड़ा

इंदौर। भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के अधीन संचालित राष्ट्रीय महिला कौशल प्रशिक्षण संस्थान इंदौर में स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस पखवाड़े के दौरान स्वच्छता जागरूकता संबंधी विभिन्न रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किये गए। आयोजन को उद्देश्य अधिकारियों/ कर्मचारियों और प्रशिक्षणार्थियों को स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना और स्वच्छता को जीवनशैली का हिस्सा बनाना रहा।

पखवाड़े की शुरुआत संस्थान परिसर में स्वच्छता शपथ के साथ की गई। संस्थान में सफाई को लेकर कई रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की गई। स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत स्वच्छता शपथ एवं जागरूकता रैली, स्लोगन लेखन, पोस्टर निर्माण एवं निबंध प्रतियोगिता, क्लासरूम, कार्यशाला और छात्रावास परिसर की साफ-सफाई, हैंड वॉश डेमोंस्ट्रेशन और व्यक्तिगत स्वच्छता पर कार्यशाला, प्लास्टिक मुक्त अभियान और पौधारोपण गतिविधि तथा हाइजीन और मेडिटेशन पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों, संकाय सदस्यों एवं प्रशिक्षुओं ने मिलकर परिसर, अध्ययन कक्षों और प्रयोगशालाओं की सफाई की। इन सभी कार्यक्रमों में सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वच्छ भारत मिशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। समापन अवसर पर संस्था की प्राचार्य /उपनिदेशक सुश्री नैना नागपाल एवं सहायक निदेशक श्री गुलाब चंद्रा ने कहा कि ÷स्वच्छता केवल अभियान नहीं बल्कि हमारी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा होना चाहिए। एक स्वच्छ वातावरण ही स्वस्थ और उन्नत भारत की नींव रखता है। संस्थान इस तरह की जागरूकता गतिविधियों को आगे भी निरंतर जारी रखेगा, जिससे स्वच्छता की संस्कृति को और अधिक मजबूत किया जा सकें।

जिले में मावे व मिठाई की गुणवत्ता पर रखी जा रही है कड़ी निगरानी

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में एवं अपर कलेक्टर श्री गौरव बैनल के मार्गदर्शन में रक्षाबंधन पर्व को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। गुप्त सूचना के आधार पर एक वाहन से मावा के परिवहन की जानकारी मिलने पर खाद्य विभाग की टीम द्वारा प्रभावी कार्रवाई की गई। वाहन चालक भारत सिंह द्वारा बताया गया कि मावा निलेश पाटीदार (नवीन मिल्क प्रोडक्ट्स, देवास) का है। मौके से 40 किलोग्राम मावा एवं 480 किलोग्राम मिल्क केक जब्त किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 1 लाख 56 हजार रूपये है। साथ ही मावा एवं मिल्क केक के नमूने लिए गए।

इसी तरह खाद्य सुरक्षा प्रशासन टीम द्वारा शहर के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों से नमूने संग्रहित किये गये। टीम द्वारा मौसा जलेबी भंडार, कालानी नगर, एयरपोर्ट रोड से गुपचुप मिठाई, जलेबी एवं रिफाइंड सोयाबीन (यूज्ड कुकिंग ऑइल) के कुल 03 नमूने लिए गए। शर्मा स्वीट्स एण्ड नमकीन, कनाड़िया रोड से मावा पेड़ा का 01 नमूना, अन्नड़ा रेस्टॉरेंट कनाड़िया रोड से मिल्क केक, ड्रायफ्रूट लड्डू व गुपचुप के कुल 03 नमूने, सरिता दूध दही भंडार, गोपाल डेरी, अमृत डेरी तथा चंचल डेरी से दूध, मावा व लड्डू के कुल 04 नमूने लिये गये।

पत्रकारिता समाज का आईना, इसे मजबूती प्रदान करना हमारा दायित्व

इंदौर। पत्रकारिता उत्कृष्ट समाज के लिए हमेशा आईने के रूप में काम करता रहा है, इस कार्य को मजबूती प्रदान करते हुए हम सभी को पत्रकारों के वास्तविक हितों के लिए कार्य करना होगा।

यह बातें मध्य प्रदेश श्रमजीवी संगठन की संभागीय इकाई बैठक में अतिथियों के द्वारा कही गई। इंदौर जिला इकाई के अध्यक्ष एवं महासचिव पद पर नव नियुक्ति अवसर पर मुख्य अतिथि पुष्पेंद्र वास्केल उपसंचालक संभागीय जनसंपर्क कार्यालय इंदौर, संभागीय अध्यक्ष आलोक शर्मा अकेला, महासचिव डॉक्टर पंकज बीरमाल, वरिष्ठ पत्रकार नवनीत शुक्ला, शिव श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष अनिल पटेल थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलन से हुआ, संभागीय इकाई के महासचिव पंकज बीरमाल ने संघ के विस्तार और कार्य स्वरूप को सबके बीच में रखा, अतिथियों के उद्बोधन के बाद इंदौर इकाई के नवनियुक्त अध्यक्ष बृजेश जोशी और महासचिव कमलेश्वर सिंह सिसोदिया को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन कवि एवं पत्रकार सत्येंद्र वर्मा सत्येंद्र ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी पत्रकार नकुल पाटोदी, राजेंद्र गुप्ता, राजेश पिपलोदिया.... आदि उपस्थित है। इस अवसर पत्रकार साथियों को संघ के प्रेस कार्ड का वितरण किया गया आभार उपाध्यक्ष अनिल पटेल ने माना।

सोशल मीडिया लोकतंत्र का पांचवा स्तंभ- मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संगठन की संभागीय इकाई द्वारा शहर के मालवा मिल चौराहे स्थित शिवालय होटल मैं आयोजित कार्यक्रम में अतिथियां ने यह भी कहा कि लोकतंत्र का पांचवा स्तंभ आज के दौर में सोशल मीडिया हो गया है, किसी भी प्रकार की घटना दुर्घटना की जानकारी देश से विदेश तक और स्थानीय स्तर से हमारे हाथों तक सोशल मीडिया व्हाट्सएप फेसबुक ट्विटर इंस्टाग्राम आदि के माध्यम से पहुंच रही है आज पत्रकारों को समय के साथ अपडेट रहने और पल-पल की जानकारी होने की चुनौती बनी हुई है वहीं इसी दौर में विश्वसनीयता को बनाए रखना भी अपने आप में कठिन कार्य हो रहा है पत्रकार को चाहिए कि वह किसी भी खबर को चलाने और आगे बढ़ने से पहले अपनी बात को अच्छी तरह पुख्ता कर लेवे।

ग्रीन मोबिलिटी को बढ़ावा देने में प्रदेश में अग्रणी है एआईसीटीएसएल

इंदौर को 50 इलेक्ट्रिक बसों की जल्द मिलेगी सौगात

इंदौर। बुधवार को अटल इंदौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेस लिमिटेड, इंदौर की बोर्ड बैठक, बोर्ड अध्यक्ष एवं महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बताया गया कि ग्रीन मोबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रिक बसों की संख्या इसी माह से प्रारम्भ होगी। इंदौर शहर को 50 इलेक्ट्रिक बसों की सौगात मिलेगी। इन बसों के संचालन हेतु आई एस बी टी नायता मुंडला एवं देवास नाका दो इलेक्ट्रिक बस डिपो के निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। बैठक में एआईसीटीएसएल बोर्ड के उपाध्यक्ष एवं संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, निदेशक एवं कलेक्टर श्री आशीष सिंह, प्रबंध निदेशक एवं निगमायुक्त श्री शिवम वर्मा, निदेशक एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी आई डी ए श्री रामप्रकाश अहिरवार तथा ए आई सी टी एस एल के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री दिव्यांक सिंह एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

इंटरसिटी 26 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन जल्द प्रारंभ होगा- जल्द ही इंदौर से उज्जैन, इंदौर से भोपाल, इंदौर से खरगोन, इंदौर से सेंधवा, इंदौर से खंडवा, इंदौर से बुरहानपुर, इंदौर से रतलाम, इंदौर से धार - मांडव, इंदौर से महेश्वर सर्वसुविधायुक्त इलेक्ट्रिक बसों का संचालन प्रारंभ होगा। इस हेतु निविदा प्रक्रिया पूर्ण की जा चुकी है। इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा दिए जाने हेतु आगामी आने वाली बसों हेतु ऑपर्च्युनिटी चार्जिंग स्टेशन का निर्माण पी पी पी मॉडल पर किया जाएगा।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

कलेक्टर व निगम आयुक्त ने कोयलाफाटक से कंठाल और छतरी चौक मार्ग चौड़ीकरण का निरीक्षण किया

उज्जैन। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह और नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के द्वारा गुरुवार दोपहर सिंहस्थ 2028 अंतर्गत नगर निगम द्वारा किए जा रहे मार्ग चौड़ीकरण के कार्यों का निरीक्षण किया । कलेक्टर श्री सिंह और नगर निगम आयुक्त श्री मिश्रा ने कोयलाफाटा से कंठाल और छतरी चौक मार्ग चौड़ीकरण का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह और नगर निगम आयुक्त श्री मिश्रा में रहवासियों से चर्चा कर उनके सुझाव लिए ।

कलेक्टर श्री सिंह ने निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए की जहां भी बारिश की बाधा न हो वहां पर निर्माण कार्य तीव्र गति से किए जाएं। मार्ग चौड़ीकरण के दौरान पेयजल पाइप लाइन, सीवर लाईन,फुटपाथ निर्माण कार्य शीघ्रता से किए जाएं। कार्य के दौरान यह विशेष रूप से ध्यान दिया जाए की मार्ग चौड़ीकरण कार्य के दौरान रहवासियों को किसी भी प्रकार की समस्या ना हो। नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा ने निरीक्षण के दौरान नगर निगम की टीम को सतत मोनिटरींग कर सीवेज का कार्य तुरंत करने के निर्देश दिए जिससे रहवासियों को परेशानी न हो । इसके पश्चात कलेक्टर श्री सिंह और नगर निगम आयुक्त श्री मिश्रा ने निर्माणरत चंदेसरी मार्ग का निरीक्षण किया और मार्ग निर्माण का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए । निरीक्षण के दौरान नगर निगम के अपर आयुक्त पवन कुमार सिंह और अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे ।

धन की उत्तम गति दान है - जीवन में आवश्यकता से अधिक धन तनाव का कारण होता है-स्वामी असंगानंद महाराज

उज्जैन। धन की उत्तम गति दान है, जीवन में आवश्यकता से अधिक धन तनाव का कारण होता है।

उक्त बात स्वामी असंगानंदजी महाराज ने सेवा भारती द्वारा संचालित बालिका छात्रावास में प्रकाश चित्तौड़ा की प्रेरणा से फूलसिंह शोभा जौहरी द्वारा उनके जन्मदिवस पर भेंट की गई आटा चक्की के लोकार्पण कार्यक्रम में उपस्थित प्रबुद्ध मित्र मंडल के सदस्यों से कही। आपने अपने उद्बोधन में बताया कि लोग हमें हमारे वैभव से नहीं हमारे कर्मों से जानते है। इसलिए हमारे पास यदि हमारी आवश्यकता से अधिक धन है तो उसे सद्कार्यों में लगाना चाहिए

इससे हमारे जीवन का तनाव कम होगा। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए छात्रावास अधीक्षिका प्रीति तैलंग और संजीव आचार्य ने बताया की असंगानंद जी महाराज के पावन सानिध्य एवं प्रबुद्ध मित्र मंडल के अध्यक्ष महेश ज्ञानी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवा भारती के जिला अध्यक्ष सुनील खत्री ने की। राजेंद्र व्यास के स्वस्तिवाचन व गौतम शर्मा के मार्गदर्शन में छात्रावास की बहिनों के मंत्रोच्चार ने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में ओमप्रकाश गर्ग, श्याम माहेश्वरी, चंद्रशेखर माहेश्वरी, दिनेश महाजन, महेश खंडेलवाल, केशव जोशी, चिंतामण राठौड़, अंजली वैशंपायन, उषा बागोदिया, आशा श्रीवास्तव, कृष्णा चित्तौड़ा, हीरामणि महाजन, एम. एल. मेहता, एन.के. तिवारी, अनंत गोरे, एस. पी. श्रीवास्तव, एम. बी. करंदीकर, कैलाश अग्रवाल, किशन गुप्ता, दुर्गेश विजयवर्गीय, रमेश देशमुख, अशोक विजयवर्गीय, हरिहर शर्मा, प्रदीप जैन, ओमप्रकाश चौरे सहित समिति सदस्य एवं दानदाता उपस्थित थे।

स्केटिंग के खिलाड़ियों का संभाग स्तर पर चयन

उज्जैन। गुरुवार को ज्ञान सागर एकेडमी में जिला स्तरीय स्केटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें एसआरएस के खिलाड़ियों निसर्ग भोपाळे ने प्रथम, आदित्य ठोमरे द्वितीय व स्पर्श श्रीवास्तव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। तीनों खिलाड़ी 18 अगस्त को देवास में आयोजित होने वाली संभाग स्तरीय स्केटिंग प्रतियोगिता में भागीदारी करेंगे। खिलाड़ियों के कोच आदर्श प्रताप सिंह जादौन हैं।

डॉ. लायन गौतम शर्मा सर्वश्रेष्ठ झोन चेयरपर्सन एवं मल्टीपल पुरस्कार से सम्मानित

उज्जैन। डिस्ट्रिक्ट एंड मल्टीपल डिस्ट्रिक्ट सम्मान वर्ष 2024-25 लायन्स डिस्ट्रिक्ट 3233 जी2 उज्जैन में आयोजित भव्य डिस्ट्रिक्ट इंस्टालेशन सेरेमनी रिद्धिमा÷ के पावन अवसर पर डॉ. लायन गौतम शर्मा को सर्वश्रेष्ठ ज़ोन चेयरपर्सन (बेस्ट) (वर्ष 2024-25) रूप में सम्मानित किया गया। डिस्ट्रिक्ट पी.आर.ओ. मार्केटिंग लायन दीपक राजवानी ने बताया कि यह सम्मान केवल व्यक्तिगत सेवा यात्रा की उपलब्धि नहीं, बल्कि मेरे क्लब और पूरे झोन की टीम के संकल्प, समर्पण और सहयोग का प्रतीक है। यह हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतिफल है सेवा, नेतृत्व और संगठनात्मक उत्कृष्टता की ओर। इस सम्मान को हमारे लिए अविस्मरणीय और प्रेरणादायक बनाने हेतु, हम हृदय से सभी को कृतज्ञता प्रकट करते है। मुख्य अतिथि एवं संस्थापन अधिकारी, पूर्व अंतरराष्ट्रीय निदेशक, नेपाल लायन संजय खेतान आईपीडीजी एवं एमसीसी चेयरपर्सन पीएमजेएफ लायन मनीष शाह, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एमजेएफ लायन प्रवीण वशिष्ठ, वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर 1 एमजेएफ लायन महेश मालवीय, वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर 2 पीएमजेएफ लायन पंकज मारू, समारोह अध्यक्ष लायन भरत जैन, डिस्ट्रीक्ट पीआरओ लायन दीपक राजवानी तथा सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों का जिन्होंने अपने कर-कमलों से यह सम्मान प्रदान कर हमारे सेवा प्रयासों को मान्यता दी और इस पल को अविस्मरणीय बना दिया।

वर्ष में एक बार रक्षाबंधन पर खुलता है भाई बहिन के प्रेम का प्रतीक मंदिर

उज्जैन। धार्मिक नगरी उज्जैन में यू तो कई प्राचीन मंदिर स्थापित है । वैसे तो यहा का प्रत्येक कंकर , शंकर का स्वरूप है । ऐसा ही एक मंदिर इस धार्मिक नगरी उज्जैन में है, जहां पर रक्षा बंधन पर्व पर भाई-बहन की मूर्तियों का पूजन किया जाता है द्य इस दिन को बड़ी संख्या में युवावर्ग भाई-बहन प्रेम मंदिर में दर्शन पूजन कर रक्षा बंधन मनाते हैं द्य

उज्जैन के समाजसेवी डॉ कैलाश नागवंशी ने भाई बहिन के प्रेम का प्रतीक स्वरुप मंदिर बनवाया है द्य

विश्व का प्रथम भाई-बहन प्रेम मंदिर का निर्माण शांति पैलेस के पीछे नए ब्रिज के पास जीवनखेड़ी गांव में किया गया है।सामाजिक कल्याण समिति जीवनखेड़ी के संस्थापक डॉ. कैलाशचंद्र नागवंशी ने बताया कि सिंहस्थ महापर्व में विश्व के प्रथम भाई-बहन मंदिर का

बनाया गया था भाई बहिन के प्यार के प्रतीक के रूप में इस मंदिर का निर्माण किया गया है । डॉ नागवंशी का कहना है कि इस दिन भाई बहिन प्रेम मंदिर में बड़ी संख्या में युवावर्ग दर्शन पूजन करने मंदिर पहुचते है ।

जानिए कौन हैं भाई-बहन

भगवान गणेशजी के पुत्र शुभ और लाभ दोनों रक्षाबंधन वाले दिन पिता से जिद कर बैठे कि उन्हें भी राखी बंधवानी है, लेकिन किससे बंधवाएं, हमारी तो कोई बहन नहीं है। दोनों पुत्रों की विनती सुनकर गौरी पुत्र गणेश ने कहा कि तुम शोक मत करो, मैं अभी तुम्हें बहन प्रदान करता हूं, तब गणेशजी ने त्रिशूल से मां संतोषी को प्रकट कर शुभ-लाभ के लिए रक्षाबंधन के दिन उनसे दोनों पुत्रों को राखी बांधने का कहा। इस प्रकार माता संतोषी शुभ और लाभ की बहन हुई। इन्हीं भाई-बहन का ये मंदिर उज्जैन में तैयार किया गया है।

देश का प्रथम भाई बहन प्रेम मंदिर गुरुदेव महामण्डलेश्वर युगपुरुष स्वामी एवं चारधाम मंदिर के अध्यक्ष, हरिद्वार के अखंड परमधाम के महाराज परमानंद जी महाराज की कृपा से इस मंदिर का निर्माण किया गया । मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा सन 2000 मिलियन में चार धाम मंदिर के स्वामी शांति स्वरूपानंद जी महाराज महामंडलेश्वर और महाकाल मंदिर के प्रमुख पुजारी रमन त्रिवेदी राजेश त्रिवेदी पंडित मुरलीधर शर्मा डॉक्टर पुरुषोत्तम व्यास पूर्व विधायक राजेंद्र भारती जी बृजमोहन नागवंशी नंदकिशोर नागवंशी श्रीमती उषा नागवंशी दुर्गेश नागवंशी गणमान नागरिकों की उपस्थिति में संपन्न हुआ था। मंदिर का उपदेश वर्ष में एक बार रक्षाबंधन के दिन का कपट खुलते हैं और पहली राखी बहन संतोषी मां अपने भाई शुभ और लाभ को बनती है फिर उसके बाद पूरा देश में रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाता है।

श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के चिंतन शिविर में देशभर के पदाधिकारी ने भरी समाज को आगे बढ़ाने की हुंकार

उज्जैन। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना मप्र द्वारा दो दिवसीय तृतीय चिंतन शिविर व राजपूत समागम उज्जैन में आयोजित हो रहा है, जिसमें देशभर के पदाधिकारी समाज को आगे बढ़ाने में इस चिंतन शिविर में शामिल हुए। पहले दिन बुधवार को देशभर से जुटे पदाधिकारी व करणी सैनिकों ने चिंतन शिविर में कई बिन्दुओं पर मंथन किया।

मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद व भारतीय कुश्ती के संघ के पूर्व अध्यक्ष ब्रजभूषण शरण सिंह, औरंगाबाद सांसद व एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रभारी सुशील कुमार सिंह, राष्ट्रीय अध्यक्ष करणी सेना शीला शेखावत, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष योगेंद्र सिंह कटारा, निगम अध्यक्ष कलावती यादव, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजवर्धन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष शिवप्रताप सिंह चौहान व संत मंचासीन थे। सभी ने वहां मौजूद समाजजनों को सम्बोधित किया, साथ ही मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संदेश एलईडी के माध्यम से सुनाया जाता है। ब्रजभूषण शरण सिंह ने कहा कि महापुरुष के दिखाए रास्ते पर चलना चाहिए, सबसे पहले स्वयं को भी आत्मचिंतन करना चाहिए। शहर में निकली रैली में शामिल जनसैलाब शिविर के पश्चात के कार्यक्रम स्थल से वाहन रैली निकली जो शहर के प्रमुख मार्गों से होकर सिंधी कॉलोनी स्थित राजपूत छात्रावास पहुँची, जहां राजपूत समाज के छात्रों के निशुल्क छात्रावास का शुभारंभ किया। रैली में हज़ारों की संख्या में करणी सैनिक शामिल हुए।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com